वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :4 अंक : 130 | मंगलवार 3 सितम्बर 2024 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

भाजपा का सदस्यता अभियान राष्ट्रीय स्तर पर हुआ लॉच

पीएम मोदी बने पहले सदस्य, राजस्थान में सीएम भजनलाल सदस्य बनकर करेंगे लॉचिंग

जयपुर. कासं

भाजपा के सदस्यता अभियान की लॉचिंग आज राष्ट्रीय स्तर पर हुई। पीएम मोदी भाजपा के पहले सदस्य बने हैं। राष्ट्रीय स्तर पर लॉचिंग के बाद अब प्रदेश स्तर पर अभियान की शुरूआत होगी। प्रदेश में मंगलवार को सीएम भजनलाल शर्मा और प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ को सदस्य बनाकर अभियान की लॉचिंग की जाएगी। सीएम भजनलाल शर्मा और प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने मुख्यमंत्री आवास पर भाजपा के सदस्यता अभियान के लॉचिंग कार्यक्रम का लाइव प्रसारण देखा। इस मौके पर सीएम भजनलाल शर्मा ने सभी से भाजपा की सदस्यता ग्रहण करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि भाजपा के सक्रिय सदस्य बनकर, आप प्रधानमंत्री के कुशल नेतृत्व में विकसित भारत के निर्माण में अपना अमूल्य योगदान दे सकते हैं। प्रदेश में इस समय भाजपा के करीब 1.30 करोड़ सदस्य है। वहीं इस बार 1 करोड़ सदस्य बनाने का लक्ष्य राजस्थान को दिया गया हैं। दरअसल भाजपा में किसी भी व्यक्ति की स्थायी सदस्यता नहीं होती है। हर व्यक्ति को 6 साल के लिए पार्टी का सदस्य बनाया जाता हैं। भाजपा का अभियान साल 2014 में शुरू हुआ था। उस समय प्रदेश में करीब 83 लाख सदस्य बने थे। लेकिन साल 2020 में कोरोना के चलते नया सदस्यता अभियान शुरू नहीं किया जा सका, बल्कि पुराने सदस्यता अभियान को ही एक्सडेंट कर दिया गया। उसमें करीब 53 लाख नए सदस्य बने। ऐसे में वर्तमान में प्रदेश में भाजपा के 1.30 करोड़ सदस्य है। जो आज सदस्यता अभियान शुरू होने के साथ ही जीरो हो गए। इस सदस्यता अभियान के लिए राजस्थान को 1 करोड़ नए सदस्य बनाने का लक्ष्य दिया गया हैं। प्रदेश में सदस्यता अभियान के संयोजक डॉ अरूण चतुर्वेदी ने बताया कि अभियान के तहत एक सिम से एक ही व्यक्ति पार्टी का सदस्य बन सकता है लेकिन अगर कोई व्यक्ति एक बार सदस्य बनने के बाद दुबारा दूसरे नम्बर से सदस्यता के लिए अप्लाई करता है तो उसे रोकने के लिए एआई का इस्तेमाल भी किया जा रहा है।

जेकेके में तीन दिवसीय फोटोग्राफी कार्यशाला

प्रख्यात फोटोग्राफर शिरीष कर्राले 6 से 8 सितंबर तक सिखाएंगे फोटोग्राफी के गुर

जयपुर. कासं

जवाहर कला केंद्र में 6 सितंबर से 8 सितंबर तक आयोजित होने वाले 'सुर ताल उत्सव' में फोटोग्राफी सीखने की इच्छा रखने वालों को बेहतरीन अवसर मिलेगा। इस कार्यशाला में मुंबई के प्रसिद्ध सेलेब्रिटी फोटोग्राफर शिरीष कर्राले प्रैक्टिकल फोटोग्राफी के गुर सिखाएंगे। डेल्फिक काउंसिल ऑफ राजस्थान की अध्यक्ष और वरिष्ठ आईएएस श्रेया गुहा ने बताया कि 6 से 8 सितंबर तक 'सुर ताल' उत्सव का आयोजन किया जा रहा है जिसमें ओडिसी नृत्य, हवेली संगीत,शास्त्रीय संगीत, गजल, कई नृत्यों पर आधारित एक कोरियोग्राफ्ड प्रस्तुति के साथ ही फोटोग्राफी कार्यशाला भी आयोजित की जाएगी। कार्यशाला का प्रवेश निशुल्क रहेगा, इसके साथ ही फोटोग्राफी कार्यशाला हेतु इच्छुक व्यक्ति न्यूनतम राशि जमा करवाकर रजिस्ट्रेशन करवा सकते है। आवेदकों के लिए रजिस्ट्रेशन हेतु ऑनलाइन राशि जमा करवाने के साथ ही मौके पर नकद जमा करवाकर रजिस्ट्रेशन की सुविधा भी रहेगी। उन्होंने बताया कि शिरीष कर्राले मुंबई के प्रसिद्ध सेलेब्रिटी फोटोग्राफर हैं जो 20 वर्षों से अधिक तक फोटोग्राफी की नामचीन पत्रिकाओं के संपादक रहे हैं।

विद्याधर नगर सेटेलाइट हॉस्पिटल का काम तत्काल शुरू करें: दिया कुमारी

आईपीडी टॉवर में अतिरिक्त कार्यों एवं अन्य सेवाओं के लिए तत्काल राशि उपलब्ध करवाने के दिए निर्देश

जयपुर. शाबाश इंडिया

उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने सोमवार को विद्याधर नगर विधानसभा क्षेत्र में बनने वाले सेटेलाइट अस्पताल का निर्माण कार्य तत्काल शुरू करवाकर समय पर काम पूरा करवाने के निर्देश चिकित्सा विभाग के अधिकारियों को दिए। शासन सचिवालय में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर की मौजूदगी में आयोजित बैठक में उन्होंने यह निर्देश दिए। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने बताया कि नए बनने वाले 100 बैड के सेटेलाइट अस्पताल की डीपीआर का कार्य

अगले एक माह में पूरा हो जाएगा और अस्पताल का निर्माण कार्य जून 2026 तक पूरा करवा दिया जाएगा। झोटवाडा पंचायत समिति भवन की भूमि के स्थान पर यह निर्माण किया जाएगा। पंचायत समिति भवन के लिए भूमि आवंटित कर भवन निर्माण के लिए 5 करोड़ रुपए की राशि भी पंचायतीराज विभाग को आवंटित की जा चुकी है। गौरतलब है कि अस्पताल के लिए 100 पदों एवं मैन विद मशीन की स्वीकृति भी जारी की जा चुकी है। उप मुख्यमंत्री ने चिकित्सा विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि सेटेलाइट अस्पताल के भवन का निर्माण होने तक यदि इसे किसी किराये के भवन में चलाया जा सकता है तो इसका परीक्षण करवाकर तत्काल शुरू करवाएं ताकि लोगों को बेहतर चिकित्सा सुविधाए उपलब्ध हो सके।

श्रुति फाउंडेशन, भारतवर्षिय श्रुत संवर्धन महासभा मध्यप्रदेश इकाई द्वारा छात्रवृत्ति का वितरण

इंदौर. शाबाश इंडिया

आज मोहता भवन इंदोर में परम पुज्य 108 मुनिश्री प्रमाण सागर जी महाराज ससंघ के सानिध्य में 400 बच्चों को छात्रवृत्ति वितरीत की गयी , धर्म समाज प्रचारक राजेश जैन दद्दू ने बताया कि इस अवसर पर इंदोर जैन समाज के सभी श्रेष्ठी बंधु दिगम्बर जैन समाज समाजिक सांसद के अध्यक्ष राजकुमार पाटोदी सुशील पांड्या मंत्री डॉ जैनेन्द्र जैन रानी अशोक डोसी हंसमुख गांधी टीके वेद मुकेश पाटोदी रितेश पाटनी राजेन्द्र सोनी, संजय कासलीवाल प्रदीप बडजात्या आनंद गोधा अजय मिन्टा संजय अहिंसा, चन्द्रेश जैन श्रीमती रेखा जैन आदि इस शुभ अवसर पर उपस्थित रहे। इस अवसर मुनिश्री प्रमाण सागर जी महाराज ने सभी बच्चों को आशीर्वाद एवं संबोधित किया ओर बच्चों को सफल जीवन के चार सुत्र दिये और कहा कि ये चारों सुत्र कोजीवनमें अपनाएं, अपना लक्ष्य निर्धारित करें, एकाग्रता और निश्चितता की मानसिकता रखें। फालतू बातों से दूर रहें। गलतियों से सबक लेकर सुधार करें। बच्चों को प्रोत्साहित करने के भाव से आम समाज संगठन एवं श्रुति फाउंडेशन द्वारा बच्चों को छात्रवृत्ति प्रदान करना प्रशंसनीय व अनुकरणीय है। आर्थिक सहायता प्रदान कर शिक्षा हेतु मार्ग प्रशस्त करने का जो महान कार्य दिगंबर जैन आम समाज संगठन के प्रमुख संयोजक श्रीमान इंद्रकुमार वीणा सेठी कर रहे है वो कार्य करने वाले इस स्वार्थ की दुनिया में कम ही लोग है। यह महादान के समान है। यह उद्बोधन विश्व प्रसिद्ध शंका समाधान प्रणेता, जन जन के संत 108 मुनिश्री प्रमाणसागर जी महाराज ने रेसकोर्स रोड स्थित मोहता भवन में आयोजित दिगंबर जैन आम समाज संगठन, श्रुति फाउंडेशन एवं भारतवर्षिय श्रुत संवर्धन महासभा मध्यप्रदेश इकाई के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित जैन समाज के जरूरतमंद छात्र छात्राओं को शिक्षा सहायता वितरण के दौरान धर्मसभा में काह साथ ही संगठन के सभी क्षेत्रीय संयोजक साथियों ने भी व्यवस्था में अपना पूरा सहयोग प्रदान किया। संयुक्त संचालन चिराग जैन एवं अनुराग जैन ने किया।

दिंगबर जैन पाठशाला डडूका के बच्चों का संत दर्शन कार्यक्रम संपन्न

अजीत कोठिया. शाबाश इंडिया

डडूका। डडूका गांव में 1955से संचालित दिगंबर जैन पाठशाला के बच्चों का एक दिवसीय संत दर्शन कार्यक्रम एक सितंबर को आयोजित किया गया ।कार्यक्रम संयोजक एवं पाठशाला प्रेरक अजीत कोठिया ने बताया की आयोजन के लिए 22 बच्चों ने डडूका पार्श्वनाथ मंदिर जी मे जलाभिषेक कर नौगामा में आर्यिका पवित्रमती माताजी के दर्शनों एवं प्रवचनों का लाभ लिया। बच्चों ने वागवर सम्मेदशीखर नसियाजी की सामूहिक वंदना की ।नौगामा सेनिकल कर बच्चो के दल ने बडोदिया कस्बे मे चातुर्मास रत आर्यिका मां सुयश मति माताजी से संस्कारों की बाते ग्रहण की ।वीरोंदय तीर्थ पर सामूहिक आदिनाथ आराधना की गई। बडोदिया से अपरान्ह खांदू कॉलोनी बांसवाड़ा मे साधना रत आर्यिका मां विज्ञानमति जी से आशिर्वाद प्राप्त कर बच्चे सांय तलवाडा में विराजमान मुनि अजित सागर जी महाराज ससंघ के सत्संग का लाभ लेने पहुंचे। तलवाड़ा मे बच्चों ने गुरुदेव के सानिध्य मे रविवारीय बाल सभा मे हिस्सा लिया। यहां आयोजित एक मिनट प्रतियोगिता मे डडूका पाठशाला की सांची जैन और मानवी जैन ने द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया। पुरे संत दर्शन कार्यक्रम में पाठशाला प्रेरक अजीत कोठिया, जैन युवा समिती अध्यक्ष अंकित डी शाह एवम सचिव सुमित शाह ने सक्रिय सहयोग कर इसे बच्चो के लिऐ यादगार एवं प्रेरक अनुभव बना दिया। संत दर्शन कार्यक्रम मे बच्चों को श्रमण संस्कृति संरक्षण बोर्ड परीक्षा सांगानेर मे सफलता पर मुनि श्री अजित सागर गुरुदेव ने प्रशस्ति पत्र भेंट कर सम्मानित किया। नौगामा मे सुरेश गांधी, बड़ौदिया मे केसरीमल खोड़निया, कांतिलाल खोड़निया, बांसवाड़ा मे नम्रता दीदी, तलवाड़ा मे अनिल जैन, प्रवीण घोड़ा, प्रकाश जैन एवं लीला जैन ने बच्चों की विशेष अवभगत की। इससे पूर्व प्रातः डडूका से धनपाल शाह, राजेन्द्र कोठिया, भूपेंद्र जैन आदि ने बच्चों को संत दर्शन यात्रा हेतु विदाई दी। पाठशाला प्रेरक अजीत कोठिया ने आयोजन मे सहयोग के लिए सभी अभिभावकों के प्रति आभार व्यक्त किया।

उपाध्याय वृषभानंद जी महाराज के सानिध्य में शीला डोढया को किया 'श्राविका रत्न' उपाधि से सम्मानित

जयपुर. शाबाश इंडिया। प. पू. आचार्य श्री 108 वसुनंदी जी महामुनिराज की पावन प्रेरणा से धर्म जागृति संस्थान प्रांत राजस्थान द्वारा सोमवार दो सितम्बर को उपाध्याय श्री वृषभानन्द जी के पावन सानिध्य में दिगंबर जैन श्रमण संस्कृति संस्थान के सन्त सुधासागर बालिका छात्रावास की अधिष्ठात्री श्रीमती शीला जी जैन ड्योडा को उनके शिक्षा के क्षेत्र में बालिकाओं के लिए किए गये कार्यों के लिए 'श्राविका रत्न' के सम्मान से थडी मार्केट समाज द्वारा पद्मावती स्कूल में आयोजित समारोह में सम्मानित किया गया। धर्म जागृति संस्थान के उपाध्यक्ष भाग चंद मित्रपुरा ने बताया कि संस्थान के प्रांतीय अध्यक्ष पदम जैन बिलाला के साथ संरक्षक राजीव जैन गाज़ियाबाद, राकेश माधोराजपुरा के अलावा सांस्कृतिक मंत्री भँवरी देवी जैन , सीमा जैन , पुष्पा बिलाला , संजना बडजात्या , निकिता लुहाड़िया ने शीला ड्योडा को तिलक माला सॉल दुपट्टा व साफा पहनाकर श्राविका रत्न प्रशस्ति पत्र गुरु के समक्ष प्रदान किया गया । संस्थान के महामंत्री सुनील पहाड़िया व संयुक्त महामन्त्री संजय जैन बडजात्या कामां के अनुसार नारी सम्मान के क्रम में डा. वन्दना जैन , शालिनी जैन व विद्युत लुहाड़िया का सम्मान तिलक माला दुपट्टे से थडी मार्केट के अध्यक्ष पवन नगीनावाले व मंत्री अनिल जैन सहित समाज की उपस्थिति में छात्रावास की बालिकाओं द्वारा बैंड वादन की मधुर ध्वनि के मध्य किया गया । संस्थान के कोषाध्यक्ष पंकज लुहाड़िया के अनुसार शीला ड्योडा व इनकी टीम ने मुनि सुधासागर के मार्गदर्शन में बालिकाओं को विदुषी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा कर जैन धर्म की प्रभावना की है। इस समय प्रवीण बडजात्या, विकास बडजात्या, सिद्ध जैन , नीता जैन , महेंद्र बसवा वाले सहित बहुत से भक्त जन की उपस्थिती रही।

संस्कृति व संस्कारों को मजबूत कर उत्कृष्ट जीवन जीना सीखो: युवाचार्य महेंद्र ऋषि जी महाराज

एएमकेएम में पर्युषण पर्व का दूसरा दिन तप-जप के साथ मनाया गया

सुनिल चपलोत. शाबाश इंडिया

चैन्नेई। पर्वाधिराज पयुर्षण महापर्व के द्वितीय दिवस सोमवार को एएमकेएम के आनन्द दरबार मे श्रमण संघीय युवाचार्य महेंद्र ऋषि जी महाराज ने पर्युषण पर्व मे धर्म आराधना ओर साधना करने वाले साधक साधिकाओं को धर्मसभा मे धर्मउपदेश प्रदान करतें हुए कहा कि तीन प्रकार के कमल होते हैं- हस्त कमल, मुख कमल और हृदय कमल। जिसके हस्त कमल में दान का अमृत है, उसकी कर्मनिर्जरा होती है और उसको मन की शांति सहज ही मिलती है।उन्होंने कहा देने की प्रवृत्ति दो महत्वपूर्ण काम करती है पहला आपने जिसको दिया, उसको सहयोग हो गया और दूसरा परिग्रह संज्ञा कम हुई। लोभ व परिग्रह संज्ञा का हमारे जीवन पर अत्यधिक प्रभाव है। उन्होंने कहा जिसके मुख में सत्य का अमृत है, वाणी में विशिष्ट प्रकार का प्रभाव है, वह किसी परिस्थिति में झूठ बोलेगा ही नहीं। जिसके मुख से सत्य वाणी निकलती है, वह अमृत तुल्य है। सत्य हमेशा शांति प्रदान करने वाला है। अगर आपने झूठ बोला और फिर सत्य का पता चल गया तो अनर्थ होगा। असत्य अविश्वास का कारण है। असत्य हमारे ऊपर रहे विश्वास को खत्म कर देता है। कई लोग दूसरों के सत्य को कहने के लिए तत्पर रहते हैं, इसलिए हमें सदैव सत्य बोलना चाहिए। उन्होंने कहा हृदय में दया होनी आवश्यक है। जिसके हृदय रुपी कमल में दया का संकल्प है, वह तीनों लोक में पूजनीय है। उन्होंने पंचतारा होटलों में विवाह न करने की प्रेरणा देते हुए कहा कि जहां प्राणी हिंसा, पंचेंद्रिय जीवों की हिंसा होती है, हमें वहां जाना ही नहीं चाहिए। जिस दुकान में मांसाहार वस्तुएं बिकती है, वहां खरीदी करनी ही नहीं चाहिए। यदि हम एक संकल्प कर लेते हैं तो बहुत से जीवों को अभयदान मिलता है। जीवन को सुंदर बनाने के लिए प्रेरित करते हुए युवाचार्यश्री ने कहा कि जीवन में हमारा संकल्प होना ही चाहिए। पर्युषण पर्व के इस अवसर को गंवाना नहीं है। जिस कार्य में नकारात्मक तत्व घुस जाते हैं, जो परिवार के संस्कारों, धर्म की संस्कृति को नष्ट-भ्रष्ट करते हैं, उसे छोड़ने का संकल्प लो। किसी के भुलावे में मत आओ। हमारी संस्कृति, हमारे संस्कारों को मजबूत करने वाले सकारात्मक तत्त्वों को अपनाकर उत्कृष्ट जीवन जीना सीखो। उन्होंने कहा भावों की उत्कृष्टता बहुत महत्वपूर्ण है। आपके भीतर भावों का नहीं जगना अंतराय है। सबको सब चीजें उपलब्ध है लेकिन जिसका पुण्य प्रबल है, उसे ही मिलता है। आपके भीतर रहे हुए उत्कृष्ट भाव आपके कर्मों की निर्जरा करने में सहायक होते हैं। अनजान भावों से किया हुआ कर्म अंतराय नहीं होता है। उन्होंने कहा पर्युषण महापर्व आपकी झोली भरने आया है। जितना हो सके, धर्माराधना कर लो। एक- एक मिनट अत्यंत महत्वपूर्ण है। अपने क्षण- क्षण को सार्थक करो। जीवन में गुणों को धारण करो, यही हमारे आगम सूत्र कहते हैं। आप लोगों की आराधना, साधना देखकर मन प्रफुल्लित हो उठता है। एक छोटी सी आराधना भी पर्व के लिए महत्वपूर्ण है। यह मौका एक बार निकल गया तो पुनः नहीं आएगा। इस मौके पर वर्धमान स्थानकवासी जैन महासंघ तमिलनाडु के मंत्री धमीचंद सिंघवी ने बताया युवाचार्यश्री की प्रेरणादायक पर कत्लखानों से गायों को अभयदान का बीड़ा उठाया है। इसदौरान विमलाबाई सिंघवी ने 31 उपवास के प्रत्याख्यान लिए जिनके साथ अनेक बहनों ओर भाईयों ने 2, 3, 5,8, 11,18, आदि उपवास के प्रत्याख्यान ग्रहण किये धर्मसभा मे पर्वप्रथम साध्वी अणिमाश्री जी ने अतंगड सूत्र का वांचना किया ।

इच्छाओं का निरोध करना तप है : मुनिश्री 108 पावनसागर जी महाराज

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री दिगम्बर जैन मंदिर चन्द्रप्रभ जी दुर्गापुरा में परम पूज्य मुनि श्री 108 पावनसागर जी महाराज ने सोमवार दिनांक 02 सितंबर को षोडश कारण पर्व के अवसर पर प्रवचन करते हुए बताया कि, आत्मज्ञान के बिना शरीर को तपाना कार्यकारी नहीं होता, ज्ञानपूर्वक तप करने पर ही आत्म कल्याण होगा। आकांक्षा अर्थात इच्छा तीन प्रकार की बताई गई है, पुत्तेषणा, वित्तेषणा और लोकेषणा अर्थात पुत्र की इच्छा, अर्थ की इच्छा और ख्याति की इच्छा जो कभी फलीभूत नहीं होती इच्छाओं का निरोध करना तप है। न पूर्व की स्मृति, न भविष्य की अपेक्षा और भोगोपभोग की उपेक्षा का भाव रखने वाले ज्ञानी पुरुष को विषय भी विष के समान नजर आते हैं, वही वैराग्य मार्ग की ओर बढ़ते हैं और तप का अनुसरण करते हुए, अपनी आत्मा का कल्याण करते हैं। ट्रस्ट के अध्यक्ष प्रकाश चन्द चांदवाड़ एवं मंत्री राजेन्द्र काला ने बताया कि प्रवचन से पूर्व दीप प्रज्वलन श्रीमान महेन्द्र कुमार जी सुशीला जी जैन बजरंग विहार एवं सहयोगियों ने, मंगलाचरण श्रीमान महावीर प्रसाद जी बाकलीवाल एवं शास्त्र भेंट श्रीमती कुसुम जी चांदवाड, श्रीमती अंतिम जी जैन अग्रवाल फार्म ने किया। संयोजक कमल छाबड़ा डॉ वन्दना जैन ने बताया कि षोडश कारण महापर्व के अवसर पर प्रतिदिन प्रातः 8.30 बजे मुनिश्री के प्रवचन सायंकाल 7 बजे आरती आनंद यात्रा तथा रात्रि 8:00 बजे से पंडित अजित जैन 'आचार्य' के द्वारा तत्व चर्चा की जा रही है।

वेद ज्ञान

स्वार्थ का शालीन नाम मोह

स्वार्थ का शालीन नाम मोह है। हम सभी परस्पर स्वार्थ से जुड़ते हैं। इसी कारण उनके प्रति मोह रहता है। भोगों के परिप्रेक्ष्य में भी मोह रहता है, किंतु तब उसे आसक्ति कहा जाता है। अपेक्षा रखना स्वार्थ है। स्वार्थ ममत्व को जन्म देता है। ममत्व ही मोह है। लोक में व्यक्ति का (आत्मा का) तन, परिजन, मित्र, संबंधी और धन आदि से सीधा जुड़ाव होता है। सभी से कुछ न कुछ स्वार्थ सिद्ध होता है। इसलिए इनके प्रति स्वाभाविक मोह होता है। लौकिक-संबंध अथवा वस्तु हमारे लिए जितना उपयोगी होते हैं, उतने ही वे काम्य हैं। उनके प्रति उतनी ही आसक्ति दृढ़ होती है। हमें जिन लोगों के प्रति जितना मोह या राग- भाव होता है, उनके खोने (वियोग) का भय भी उतना ही प्रबल होता है। अब यदि इस मोह (राग-भाव) से छुटकारा पा लिया जाए तो सांसारिक दुखों से आसानी से छुटकारा पाया जा सकता है। मोह से छूटने का एकमात्र उपाय है वैराग्य। वैराग्य वह शक्ति है जो मनुष्य को अभय प्रदान करती है। वैराग्य आत्मसाक्षात्कार कराने का प्रवेश द्वार है। वैराग्य-प्राप्ति की प्रक्रिया मन के रागात्मक होने वाले कारणों के सर्वथा विपरीत है। लौकिक संबंधों से अपेक्षाओं का पूर्णतया त्याग और उनके प्रति ममत्व त्याग कर निर्विकार होना वैराग्य-प्राप्ति का उपाय है, किंतु यह इतना सरल नहीं है, क्योंकि इसके लिए समत्व-बुद्धि का अनुभव करने के लिए दृढ़तापूर्वक अभ्यास करना पड़ेगा। समत्व-बुद्धि निर्मल-मन का विषय है। लौकिक अपेक्षा, कामना, आसक्ति और मोह आदि विकार संकीर्ण और अशुद्ध-मन के कार्य-व्यापार हैं। इसके विपरीत अलौकिक और सर्वव्यापक सत्ता को एकमात्र स्वीकार करना, उसी के साक्षात्कार की अपेक्षा रखना स्थिर-प्रज्ञ या समत्व-बुद्धि प्राप्त करने के प्रारंभिक चरण हैं। अलौकिक (परमात्म) सत्ता को सर्वोपरि मानने से लौकिक-प्रपंच स्वतः शांत होने लगते हैं। उस परम सत्ता को सर्वव्यापी जान लेने के बाद जीव-जीव में ईश्वर का वास होने से सभी में प्रेम होता है और सबके प्रति समत्व-बुद्धि विकसित होती है। यह मन की रागात्मक-मनोभूमि से ऊपर उठकर विरागी-स्थिति में प्रवेश करने की प्रक्रिया है। तब न किसी से शत्रुता होती है और न मित्रता। यदि कुछ होता है तो रागरहित मन में एक अलौकिक और स्थाई आनंद वास करता है।

संपादकीय

महिला सुरक्षा बेहद गंभीर मुद्दा

महिला सुरक्षा को लेकर चौतरफा गहरा असंतोष है। कोलकाता महिला चिकित्सक बलात्कार और हत्या कांड के बाद महिला सुरक्षा संबंधी कानूनों को कड़ाई से लागू करने और यौन उत्पीड़न संबंधी मामलों में त्वरित कार्रवाई की जरूरत फिर से रेखांकित की जा रही है। कोलकाता में विरोध प्रदर्शनों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा। उस घटना पर हर राजनीतिक दल और बड़ा नेता अपनी संवेदना व्यक्त कर चुका है। राष्ट्रपति ने भी कहा

कि अब बहुत हो चुका, ऐसी घटनाएं किसी भी रूप में रुकनी ही चाहिए। अब प्रधानमंत्री ने जिला न्यायालयों के न्यायाधीशों के सम्मेलन में उनसे अपील की कि महिला और बाल उत्पीड़न संबंधी मामलों में वे शीघ्र सुनवाई करें, ताकि उन्हें इंसाफ मिल सके और अपराधियों में खौफ पैदा हो। हकीकत यही है कि बलात्कार और बाल यौन उत्पीड़न जैसे मामलों पर नकेल कसना इसीलिए मुश्किल बना हुआ है कि अपराधियों में कानून का भय पैदा नहीं हो सका है। निर्भया कांड के बाद महिला सुरक्षा संबंधी कानूनों को और सख्त बनाया गया था। बाल यौन शोषण के विरुद्ध पाक्सो कानून बना था जिसमें आरोपी की तुरंत गिरफ्तारी और जमानत तक न देने का कड़ा प्रावधान किया गया। मगर उन कानूनों का भय कहीं नजर नहीं आता। कड़े कानून बना देने भर से अपराधों पर लगाम लगने का भरोसा पैदा नहीं किया जा सकता। इसके लिए जरूरी है। कि उन्हें सही तरीके से अमल में लाया जाए और न्यायालयों में शीघ्र निर्णय हो मगर हकीकत यह है कि महिला उत्पीड़न संबंधी ज्याचातर मामलों में समय पर कार्रवाई नहीं हो पाती। बहुत सारे मामलों में तो प्राथमिकी दर्ज करने में ही कई चिन लग जाते हैं। इस तरह बलात्कार जैसे मामलों में जरूरी सबूत भी ठीक से उपलब्ध नहीं हो पाते। फिर जांचों में पुलिस इतना क्लिंग कर देती है कि सुनवाई वर्षों तक चलती रहती है। इसके अलावा सबसे चिंता की बात यह है कि बलात्कार के मामले में रोष सिद्धि की दर बहुत न्यून है। सबूतों के अभाव में अपराधी छूट जाते हैं। पाक्सो जैसे कानून में भी अनेक बार देखा गया है कि रसूखदार आरोपियों के मामले में पुलिस गिरफ्तारी तक को टालती रहती है। फिर गवाह और पीड़िता तक को डरा-धमका या लोभ-लालच देकर बवान पलटने पर मजबूर कर दिया जाता है। इन स्थितियों से अचालतें अनजान नहीं हैं। मगर आमतौर पर मिली अचालतें उस तरह पुलिस पर जांचों में तेजी और निष्पक्षता लाने का दबाव नहीं बना पाती, जिस तरह कई बार ऊपरी अचलतें करती हैं। फिर अचालतों पर मुकदमों का बोझ अधिक होने की वजह से मामलों की सुनवाई लंबे समय के लिए टलती रहती है। महिला यौन उत्पीड़न के मामलों में प्रावधान किया गया कि उन्हें त्वरित अदालतों में निपटाया जाए। साल भर के भीतर उन पर फैसला देने का प्रयास हो मगर जी मामले खूब विवादों और चर्चा में रहते हैं उनकी सुनवाई भी जल्दी पूरी नहीं हो पाती।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

लंबित मुकदमें और न्याय में देरी

जिला अदालतों के राष्ट्रीय सम्मेलन के समापन दिवस पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने लंबित मुकदमों और न्याय में देरी का उल्लेख कर न्यायिक तंत्र की एक गंभीर समस्या को ही रेखांकित किया। उन्होंने लंबित मुकदमों के कारण आम आदमी को होने वाली समस्याओं का जो जिक्र किया, उस पर अविलंब ध्यान दिया ही जाना चाहिए, क्योंकि लंबित मुकदमों का बोझ बढ़ता चला जा रहा है। उन्होंने कहा कि यह बोझ निचली अदालतों से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक बढ़ रहा है। चिंताजनक यह है कि इस पर विभिन्न स्तरों पर चर्चा खूब होती है और चिंता भी जताई जाती है, लेकिन समस्या के समाधान के लिए वैसे ठोस कदम नहीं उठाए जा पा रहे हैं जैसे आवश्यक हो चुके हैं। राष्ट्रपति ने लंबित मुकदमों के साथ-साथ न्याय में देरी पर भी चिंता जताई और स्थगन संस्कृति पर लगाम लगाने पर बल दिया। यह वह संस्कृति है जो तारीख पर तारीख के सिलसिले के लिए जिम्मेदार है। इस संस्कृति को तत्काल प्रभाव से खत्म किया जाना चाहिए, क्योंकि यह न्याय में देरी का कारण बनती है और इस उक्ति को चरितार्थ करती है कि न्याय में देरी अन्याय ही है। राष्ट्रपति ने न्याय में देरी का उल्लेख करते हुए यह कहकर आम आदमी की मनोदशा का सटीक चित्रण किया कि वह अदालतों में जाते हुए उसी तरह घबराता है जैसे जब कोई अस्पताल जाता है तो वहां उसकी घबराहट बढ़ जाती है। उन्होंने इसे ब्लैक कोर्ट सिंड्रोम की जो संज्ञा दी, वह बिल्कुल उपयुक्त है। उन्होंने यह भी बिल्कुल सही कहा कि न्याय प्रक्रिया की जटिलता के कारण अब आम आदमी अदालतों का दरवाजा मजबूरी में ही खटखटाता है। न्याय में देरी के चलते लोग मानसिक रूप से तो परेशान होते ही हैं, आर्थिक संकट से भी दो चार होते हैं। यह अच्छा हुआ कि उन्होंने यह कहने में संकोच नहीं किया कि यदि 10-20 साल बाद न्याय मिले तो उसे न्याय कैसे कहा जा

सकता है। यह उल्लेखनीय है कि वह जब समय पर न्याय न मिल पाने के कारण आम आदमी को होने वाली परेशानी की चर्चा कर रही थीं, उस समय सभागार में सुप्रीम कोर्ट के प्रधान न्यायाधीश के साथ-साथ केंद्रीय कानून मंत्री भी उपस्थित थे। इससे संतुष्ट नहीं हुआ जा सकता कि कार्यपालिका और विधायिका उन कारणों से परिचित है जिनके चलते समय पर सुगम तरीके से न्याय नहीं मिल पाता, क्योंकि देश इसकी प्रतीक्षा कर रहा है कि उन कारणों का प्राथमिकता के आधार पर निवारण किया जाए। इससे इनकार नहीं कि पिछले कुछ वर्षों में न्याय प्रक्रिया को आसान बनाने और समय पर न्याय उपलब्ध कराने के लिए अनेक कदम उठाए गए हैं, लेकिन अपेक्षित नतीजे हासिल नहीं हो पा रहे हैं। यह आवश्यक ही नहीं, अनिवार्य हो चुका है कि अदालतों के कामकाज का तौर-तरीका बदला जाए। यह तौर-तरीका जिला अदालतों से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक बदलने की आवश्यकता है।

महावीर पब्लिक स्कूल में ग्यारहवीं "अंतर्विद्यालयी कथक-नृत्य-प्रतियोगिता" का भव्य आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया। सोमवार को महावीर पब्लिक स्कूल में प्रसिद्ध कत्थक गुरु स्व. बाबूलाल जी पाटनी की स्मृति में महावीर पब्लिक स्कूल एवं श्रीमती ललिता देवी रामचंद्र कासलीवाल एजुकेशनल एण्डॉवमेंट द्वारा प्रायोजित अंतर्विद्यालयी कत्थक- प्रतियोगिता आयोजित की गई। कार्यक्रम का आरंभ दीप प्रज्ज्वलन से हुआ। शिक्षा परिषद् के अध्यक्ष श्री उमराव मल संघी, मानद् मंत्री श्री सुनील बख्शी, कोषाध्यक्ष श्री महेश काला, उपाध्यक्ष श्री मुकुल कटारिया, संयुक्त मंत्री श्री कमल बाबू जैन, संस्था सदस्य श्री रुपिन काला, श्री मनीष बैद, पद्मावती स्कूल के संयोजक श्री राजेन्द्र बिलाला, मुख्य अतिथि श्री एन.के.जैन (सेवानिवृत्ति मुख्य न्यायाधिपति कर्नाटक एवं मद्रास हाई कोर्ट) का माल्यार्पण कर, साफा पहनाकर व शॉल ओढ़ाकर भावभीन स्वागत किया गया। महावीर पब्लिक स्कूल की प्राचार्या श्रीमती सीमा जैन विशेष प्रस्तुति कर्ता श्रीमती शिप्रा जोशी एवं नेहा झा, श्री जय कुमार, श्रीमती मंजरी किरण महाजनी (निर्णायक मंडल) का पुष्पगुच्छ भेंट करके स्वागत किया। इस प्रतियोगिता में 11 प्रमुख विद्यालयों के प्रतिभागियों ने भाग लिया। मानद् मंत्री श्री सुनील बख्शी ने मुख्य अतिथि, प्रस्तुतिकताओं, निर्णायकगणों एवं प्रसिद्ध कत्थक गुरु स्वर्गीय बाबूलाल जी पाटनी का संक्षिप्त परिचय दिया एवं सभासीन सभी साम्माननीय जनों का स्वागत उद्बोधन किया। श्री सुधांशु जी कासलीवाल द्वारा श्रीमती ललिता देवी कासलीवाल के प्रभावपूर्ण जीवन परिचय से अवगत करवाने के पश्चात राष्ट्रस्तरीय प्रसिद्ध कत्थक कलाकारा डॉ. गीता रघुवीर द्वारा ईश वंदना प्रस्तुत की गई। विभिन्न विद्यालयों की छात्राओं द्वारा शिव स्तोत्र, कृष्ण वंदना, गणेश वंदना आदि विषयों पर दी गई प्रस्तुतियां दर्शनीय थीं। राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त दिल्ली घराने की प्रसिद्ध कत्थक नृत्यांगना श्रीमती शिप्रा जोशी द्वारा दी गई विशेष प्रस्तुति ने दर्शकगणों को आश्चर्यचकित कर दिया। प्रतियोगिता में विजेता रहे प्रतिभागियों में से एनजीओ मुस्कान द्वारा 15000/- का दूर्वा भसीन मेमोरियल पुरस्कार व ट्रॉफी एवं श्रीमती मीनाक्षी नायर द्वारा 15000/- का गुरु अवार्ड प्रथम विजेता सेंट एंसलम पिंक सिटी, स्कूल को दिया गया। श्री सुधांशु जी कासलीवाल, ट्रस्टी श्रीमती ललिता देवी रामचंद्र कासलीवाल एजुकेशनल एण्डॉवमेंट द्वारा 7500/- का द्वितीय पुरस्कार व ट्रॉफी महावीर पब्लिक स्कूल सी-स्कीम, जयपुर को, 5000/- का तृतीय पुरस्कार व ट्रॉफी विद्याश्रम स्कूल को, व 3100/- का सांत्वना पुरस्कार व ट्रॉफी सेंट जेवियर स्कूल को प्रदान किए गए। डॉ. गीता रघुवीर द्वारा 5100/- का बेस्ट भावाभिव्यक्ति पुरस्कार महेश्वरी गर्ल्स पब्लिक स्कूल को दिया गया। इसके अतिरिक्त 2100-2100/- के विशिष्ट नृत्य पुरस्कार एमजीडी स्कूल, जेपीएचएस स्कूल एवं ज्ञान विहार स्कूल को दिए गए। मुख्य अतिथि श्री एन.के.जैन ने सभा को संबोधित करते हुए सभी विजेत्रियों को बहुत-बहुत बधाई दी एवं उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। उन्होंने शिक्षा परिषद् के सदस्यों को भी इस अद्भुत कार्यक्रम में निमंत्रण देने हेतु धन्यवाद दिया। इस शुभावसर पर शहर के प्रसिद्ध कलाकार व गणमान्य जन भी उपस्थित थे। संस्था सदस्यों एवं प्राचार्या ने मुख्य अतिथि एवं विशेष प्रस्तुति कर्ता को स्मृति चिह्न भेंट किया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रीय गान से हुआ।

वैश्य महासम्मेलन ग्वालियर के जिला मंत्री बने रवि जैन

ग्वालियर. शाबाश इंडिया। समाज सेवा के क्षेत्र में अग्रणी जैन समाज के युवा रवि जैन को वैश्य महासम्मेलन मध्यप्रदेश जिला ग्वालियर जिला मंत्री नियुक्त किया गया, गौरतलब की 31 अगस्त 2024 ग्वालियर शहर निजी होटल में के प्रदेश उपाध्यक्ष मुकेश अग्रवाल, अनिल जैन, प्रदेश महामन्त्री, महेश गर्ग, संभागीय अध्यक्ष की अनुशंसा पर जिला अध्यक्ष राजेश जैन बंटी एवं जिला प्रभारी अनूप गुप्ता ने रवि जैन को ग्वालियर जिला मंत्री मनोनीत किए जाने की घोषणा की गई। ज्ञात हो कि वैश्य महासम्मेलन एक राष्ट्रव्यापी संस्था है। जो कि पूरे भारतवर्ष में अपने कार्यकर्ताओं के माध्यम से वैश्य समाज के धार्मिक, सामाजिक एवं मानवसेवा के कार्यों को सम्पादित कर रही है। जिला मंत्री रवि जैन एक अत्यंत मिलनसार, धार्मिक, कर्मठ और वैश्य समाज एवं भारतीय जैन मिलन के समर्पित कार्यकर्ता रहे है। और ग्वालियर शहर की कई धार्मिक और सामाजिक संस्थाओं से जुड़े हुए हैं। सामाजिक जीवन में वैश्य और जैन समाज के साथ साथ जैनेतर समाज के असाहय एवं जरूरत मंद परिवारों के लिए भी विभिन्न क्षेत्रों में बहुत काम किया है। इस अवसर पर परिवारजन , इष्ट मित्रों शुभचिन्तकों एवं समाज जन बधाई और शुभकामनाएँ प्रेषित की।

जुडवां भाईयो ने प्रभुजी के साथ मनाया जन्मदिन

कुचामन सीटी. शाबाश इंडिया

सबको प्यार सबकी सेवा जीवो और जीने दो के उद्देश्य वाला संस्था महावीर इंटरनेशनल कुचामन की प्रेरणा से वीर साथियो व आम जन के साथ अपनी खुशिया जरूरतमंद व गौमाता की सेवा कर मनाने की भावनाओ से शिविन समन्यु का जन्म दिन पर हर वर्ष की भांति अपना घर मे प्रभुजी के साथ दादा वीर रतनलाल दादी कमला मेघवाल की प्रेरणा से पाश्चात्य सभ्यता को त्याग कर सामाजिक सरोकार की भावना से बीमार असहाय व लाचार बेसहारा को अपना घर मे 75 प्रभुजी को जन्म हाथों से 2/9/24 सोमवार को सुबह 11 बजे भोजन करवाकर उनके साथ अपने जन्म दिन की खुशिया मनाई। जुड़ावा भाई व दादी दाखादेवी संस्था अध्यक्ष वीर रामावतार गोयल, वीर अजित पहाड़िया , सचिव वीर सुरेश जैन कोषाध्यक्ष, वीर तेजकुमार बडजात्या , वीर संदीप पाडंया ने ऐसे प्रेरणादायक कार्यो पर बच्चो का तिलक माला से स्वागत कर बहुमान किया। **रिपोर्ट : वीर सुभाष पहाडिया**

डिजिटल युग के अपराधों पर कैसे लगे लगाम

डॉ सत्यवान सौरभ

हाल ही में भारत की आपराधिक न्याय प्रणाली में महत्वपूर्ण सुधार हुए हैं, औपनिवेशिक युग के कानूनों से भारतीय न्याय संहिता और भारतीय न्याय सुरक्षा संहिता में बदलाव किया गया है। हालाँकि, नई संहिता में साइबरस्टॉकिंग और ऑनलाइन वित्तीय धोखाधड़ी जैसे डिजिटल युग के अपराधों से निपटने के लिए व्यापक प्रावधानों का अभाव है, जिनकी आज के तकनीकी रूप से संचालित समाज में प्रासंगिकता तीव्रता से बढ़ रही है। नई संहिता वर्तमान के डिजिटल युग बढ़ रहे साइबर अपराधों जैसे कि साइबरस्टॉकिंग, फिशिंग और डेटा उल्लंघन के दायरे को पर्याप्त रूप से परिभाषित नहीं करती हैं। भारत में फिशिंग और ऑनलाइन वित्तीय धोखाधड़ी की बढ़ती घटनाओं के बावजूद, नए कानून ऐसे अपराधों पर मुकदमा चलाने में शामिल जटिलताओं को कवर नहीं करते हैं। डेटा उल्लंघनों पर बढ़ती चिंता के साथ, डेटा संरक्षण और गोपनीयता उल्लंघन के लिए विशिष्ट प्रावधान प्रदान करने में नई आपराधिक संहिता विफल रही हैं। वर्तमान आपराधिक संहिताओं में डिजिटल साक्ष्यों को एकत्रित करने, उन्हें संरक्षित करने तथा न्यायलय में प्रस्तुत करने के लिए स्पष्ट दिशानिदेशों का अभाव है, जो डिजिटल अपराधों पर मुकदमा चलाने के लिए आवश्यक है। डिजिटल उत्पीड़न, विशेष रूप से महिलाओं और नाबालिगों को लक्षित करना, नए कानूनी ढाँचे में इस संदर्भ में किए गए प्रावधान अपर्याप्त है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के आँकड़ों के अनुसार, साइबर उत्पीड़न के मामलों में वृद्धि हुई है, विशेष तौर पर महिलाओं के खिलाफ, परंतु नई संहिता ऐसे अपराधों के लिए कड़े दंड निर्दिष्ट नहीं करती हैं। उभरती प्रौद्योगिकियों से निपटने में कमियाँ है, नए कानून उभरती हुई प्रौद्योगिकियों से संबंधित अपराधों, जैसे कि क्रिप्टोकरेंसी घोटाले और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के दुरुपयोग को ध्यान में नहीं रखते हैं। क्रिप्टोकरेंसी धोखाधड़ी ने डिजिटल और आभासी वातावरण में अपराधों को संबोधित करने के लिए वर्तमान में एक कानूनी ढाँचे की आवश्यकता को दर्शाया है। हैकिंग, आइडेंटिटी थेफ्ट और साइबरस्टॉकिंग सहित साइबर अपराध के विभिन्न रूपों को लक्षित करते हुए विशिष्ट कानून बनाने की आवश्यकता है, ताकि पीड़ितों को प्रभावी विधिक सहायता मिल सके। सूचना और संचार नेटवर्क उपयोग को बढ़ावा देने के लिए दक्षिण कोरिया के अधिनियम में साइबर अपराधों के खिलाफ व्यापक प्रावधान शामिल हैं, जिसका भारत अनुकरण कर सकता है। डेटा सुरक्षा कानूनों को बेहतर बनानाः डेटा संग्रह, भंडारण और साझाकरण पर स्पष्ट दिशा-निदेर्शों के साथ डेटा गोपनीयता विनियमों को मजबूत करना। इन कमियों को प्रभावी ढंग से दूर करने के लिए व्यक्तिगत डेटा संरक्षण विधेयक, 2019 में संशोधित किया जा सकता है और आवश्यक परिवर्तन कर लागू किया जा सकता है। न्यायालयों में डिजिटल साक्ष्य एकत्र करने, प्रमाणित करने और प्रस्तुत करने के लिए मानक स्थापित करना, ताकि इसे आपराधिक कार्यवाही में यह स्वीकार्य और विश्वसनीय बनाया जा सके है। साइबरबुलिंग और डिजिटल उत्पीड़न के पीड़ितों के लिए सख्त दंड और सहायता प्रणाली प्रारंभ करना, जिसमें महिलाओं और नाबालिगों की सुरक्षा पर विशेष जोर दिया जाएगा। महिलाओं और बच्चों के खिलाफ साइबर अपराध रोकथाम योजना एक अज्ञात रिपोर्टिंग पोर्टल के माध्यम से समर्थन द्वारा डिजिटल उत्पीड़न उपायों को बढ़ाती है। ऐसे कानून बनाना जो ब्लॉकचेन, उभरती प्रौद्योगिकियों द्वारा उत्पन्न चुनौतियों का समाधान करना, ताकि तकनीकी प्रगति के साथ सामंजस्य बनाए रखा जा सके। यूरोपीय संघ का सामान्य डेटा संरक्षण विनियमन एक लचीला ढाँचा प्रदान करता है जो डिजिटल प्रौद्योगिकियों के विकसित परिदृश्य को संबोधित करता है। डिजिटल युग की चुनौतियों का समाधान करने के लिए भारत के कानूनी ढाँचे को विकसित किया जाना चाहिए। व्यापक साइबर अपराध कानूनों को शामिल करके, डेटा सुरक्षा उपायों को बढ़ाकर और उभरती प्रौद्योगिकियों के लिए प्रोटोकॉल को अपडेट करके, भारत एक मजबूत और उत्तरदायी कानूनी प्रणाली सुनिश्चित कर सकता है। यह विकास तेजी से डिजिटल हो रहे विश्व में नागरिकों की सुरक्षा और समाज में विश्वास, सुरक्षा केऔर न्याय को बढ़ावा देने के लिए महत्वपूर्ण है।

डॉ सत्यवान सौरभः कवि, स्वतंत्र पत्रकार एवं स्तंभकार, आकाशवाणी एवं टीवी पेनालिस्ट

5 से7 सितंबर के कवि कुंभ के लिए कामां के कवि डी के जैन मित्तल को हिंदी साहित्य अकादमी भारत ने किया आमंत्रित

उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का मिलेगा सानिध्य व मार्गदर्शन

कामां. शाबाश इंडिया। उत्तर प्रदेश संस्कृति विभाग एवं हिंदी साहित्य अकादमी भारत के संयुक्त तत्वावधान में एक वृहद तीन दिवसीय कवि कुंभ का आयोजन लखनऊ में 5, 6, 7 सितंबर को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में किया जा रहा है। जिसमें देश भर से लगभग 350 कवि कवयित्रियों को हिंदी साहित्य अकादमी भारत संस्था के अध्यक्ष डॉ सौरभ जैन सुमन एवं संगठन प्रमुख स्टार पोएटेस डॉ अनामिका जैन अंबर के द्वारा आमंत्रित किया गया है, जिसमें कामां (भरतपुर) के कवि डी के जैन मित्तल को भी इस कार्यक्रम के लिए आमंत्रित किया है। लखनऊ में आयोजित होने वाले इस भव्य कार्यक्रम में उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, प्रशासन के तमाम अधिकारी, नेता, अभिनेता और देश भर की तमाम सेलिब्रिटी, राष्ट्रीय अंतरराष्ट्रीय स्तर के कवि पहुंच रहे हैं। जहां पर अलग अलग सत्रों में कविताएं होंगी, स्थापित कवि अपने अनुभवों को शेयर कर कवि सम्मेलन मंचों की बारीकियों के बारे में बताएंगे। कवियों के लिए होटलों में वातानुकूलित कमरों, भोजन, सम्मान आदि की व्यवस्था संस्था द्वारा की गई है। संस्था के अध्यक्ष सौरभ जैन सुमन एवं संगठन परिवार इस वृहद कवि कुंभ की तैयारियों में पूरी तरह समर्पित हैं और नई कोपलों का स्वागत करने के लिए उत्साहित हैं। पूरे देश के कविकुल में इस आयोजन को लेकर बहुत उत्साह है।

आसना स्कूल में सर्पदंश अंधविश्वास पर वार्ता

आसना. शाबाश इंडिया। राउमा विद्यालय आसना में वन्यजीव परिरक्षक कमलेश सुधार, निवासी मावली (सालेरा खुर्द) द्वारा सांपों से संबंधित विभिन्न ज्ञानवर्धक जानकारी प्रदान की गई। विद्यालय के स्टाफ एवं छात्रों द्वारा सांपों से संबंधित पूछे गए विभिन्न प्रकार के प्रश्नों के संतोषप्रद उत्तर दिए गए एवं सांपों के बारे में फैली विभिन्न भ्रांतियों एवं अंधविश्वासों को दूर किया। प्रधानाचार्य डॉ. महावीर प्रसाद जैन द्वारा इनका स्वागत किया गया तथा इस संबंध में जानकारी दी गई। कमलेश द्वारा पिछलेआठ वर्षों से रेस्क्यू कार्य निःशुल्क सेवा कर रहे हैं। अभी तक3000 जीवों को रेस्क्यू कर सुरक्षित जंगल में छोड़ा है। इनके द्वारा विद्यालय में सर्पों की जानकारी के दो पोस्टर भी भेंट किये गये।

जीवन में सही रास्ता भगवान की आस्था दिखाता है : गुरुमां विज्ञाश्री माताजी

गुन्सी, निवाई. शाबाश इंडिया। परम पूज्य गणिनी आर्यिका गुरु मां 105 विज्ञाश्री माताजी ससंघ श्री दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ गुन्सी राजस्थान में चातुर्मासरत है। माताजी के पावन प्रेरणा से विज्ञातीर्थ क्षेत्र पर 108 फीट उत्तुंग कलशाकार सहस्त्रकूट जिनालय का निर्माण कार्य शुरू हो चुका है। इसी के साथ यात्रियों की सुविधा हेतु भोजनशाला, विश्राम कक्ष,गार्डन एवं चैत्यालय में स्थित अतिशयकारी श्री शांतिनाथ भगवान के दर्शनों का लाभ मिल रहा हैं। आज की शांतिधारा करने का सौभाग्य राकेश जैन कोटा सपरिवार ने प्राप्त किया। इसी के साथ भक्तामर दीप अर्चना अजय सोनी मालपुरा द्वारा करायी गई।आज के चातुर्मास संयोजक बनने का सौभाग्य नवीन जैन फिरोजपुर वालों ने प्राप्त किया। पूज्य माताजी के सान्निध्य में आगामी दसलक्षण महापर्व पर दशलक्षण मण्डल विधान का भव्य आयोजन 10 दिन तक होने जा रहा है।अनेकों श्रद्धालु इस आयोजन में जुड़ रहे हैं। माताजी ने अपने प्रवचनों के माध्यम से भक्तों को संबोधित करते हुए कहां कि-जीवन का सही रास्ता भगवान के प्रति आस्था से ही प्राप्त होता है। इसी मार्ग को महान पुरुषों ने अपना कर अपने जीवन को सफल बनाया। धर्म जीवन को सही दिशा देता है और इसी से ही जीवन में सुख समृद्धि की प्राप्ति होती है। भक्तों की आस्था का केंद्र बन चुके विज्ञातीर्थ क्षेत्र की वंदना करने हेतु यात्रीगण दर्शनार्थ पहुंच रहे हैं।

आचार्य श्री प्रज्ञा सागर महाराज के 52वे अवतरण दिवस पर मध्य प्रदेश सरकार के मुख्यमंत्री मोहनलाल यादव ने पहुंचकर मंगल आशीर्वाद लिया

हमने स्वर्ग नहीं देखा है लेकिन आचार्य का आशीर्वाद लेकर हम धरती पर स्वर्ग का अनुभव कर रहे : मोहनलाल यादव

झालरापाटन. शाबाश इंडिया

सकल दिगंबर जैन समाज के तत्वावधान में पर्यावरण संरक्षण तपोभूमि प्रणेता प्राचार्य प्रज्ञा सागर महाराज का 52 वा जन्म जयंती महोत्सव रविवार को एसटीसी प्रांगण में मनाया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव दोपहर 1 बजकर 53 मिनट पर राजस्थान सरकार के मुख्यमंत्री भजनलाल के प्रतिनिधि के तौर पर केंद्रीय जल संसाधन मंत्री सुरेश रावत, भारतीय जनता पार्टी राजस्थान के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सतीश पूनिया के साथ कार्यक्रम में पहुंचे जिससे मंच पर राजस्थान और मध्य प्रदेश दोनों सरकार का समागम हो गया। तीनों ने आचार्य को श्रीफल भेंट कर उनका आशीर्वाद लिया। तथा मौजूद लोगों का हाथ जोड़कर अभिनंदन किया। इस अवसर मुख्यमंत्री मोहनलाल यादव ने कहा कि वह मध्य प्रदेश सरकार के मुखिया जरूर है लेकिन आचार्य के समक्ष वह अदने है। उन्होंने कहा कि सरकार बनना और बिगड़ना पुण्य कर्मों का उदय है। लेकिन आप जैसे गुरुवर को देखकर और आशीर्वाद पाकर हमें ऐसा लगता है कि भगवान स्वयं यहां विराजित हैं। हमने स्वर्ग नहीं देखा है लेकिन आचार्य का आशीर्वाद लेकर हम धरती पर स्वर्ग का अनुभव कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारत एकमात्र ऐसा देश है जहां पर धार्मिक संस्कृति मौजूद है। जिससे यहां के लोगों में संस्कार, धार्मिक प्रवृत्ति और एक दूसरे का सम्मान करने की परंपरा है जबकि अन्य देशों में यह देखने को नहीं मिलती है और इसी कारण इनमें से कई देश आपसी लड़ाई झगड़ों के बाद विलुप्त हो गए हैं। जिनके अस्तित्व का कोई अता पता नहीं है। संसार के आकर्षण मोह, माया, ममता, अहंकार मूल कर्मों से भटकाते हैं इसीलिए हम विचलित हो जाते हैं और दिगंबर जैन साधु इन सब क्रियाओ से लाखों कोस दूर है। इनकी त्याग और तपस्या का वर्णन नहीं किया जा सकता। यादव ने कहा प्रज्ञा सागर महाराज ने उज्जैन को कल्पवृक्ष बनाया है। वहां पर तपोभूमि जैसी स्थली का निर्माण करवा कर जैन समाज को बहुत बड़ी सौगात दी है। हम संसार के मोह माया जाल में महंगे से महंगे वस्त्र पहनते हैं जबकि दिगंबर साधु आकाश को ही अपना वस्त्र मानता है।

तुम तो जैन हो लेकिन डॉक्टर मोहन यादव उज्जैन है : प्रज्ञा सागर महाराज

इस अवसर पर आचार्य श्री प्रज्ञा सागर महाराज ने कहा कि मध्य प्रदेश की सरहद से बाहर राजस्थान की सरजमी पर मुख्यमंत्री उपस्थित हुए हैं। मध्य प्रदेश के विकास की एक नई डगर का नाम है डॉक्टर मोहन यादव। हमेशा तत्पर रहने वाले एवं गतिशील रहने वाले मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री ने मध्य प्रदेश में कुछ ऐसा करके दिखाया जो अविस्मरणीय है। वह हमेशा साधु संतों के आशीर्वाद एवं भगवान के कार्यों में अग्रणी रहते हैं। मुख्यमंत्री उनके तीसरे जन्मोत्सव कार्यक्रम में शामिल हुए हैं। इससे पूर्व जब वह मध्य प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री थे तब 50 वे जन्म जयंती महोत्सव में तपोभूमि पर उपस्थित हुए थे, 51 वें जन्म जयंती कार्यक्रम में बतौर शिक्षा मंत्री के रूप में उपस्थित हुए थे और आज यह तीसरा अवसर है जब वह मुख्यमंत्री के रूप में यहां पर आए हैं। आचार्य ने कहा कि लोकसभा चुनाव में मुख्यमंत्री ने मध्य प्रदेश में पूरी 29 सीटों पर भारतीय जनता पार्टी को विजय दिलाई है। वह पूरे मध्य प्रदेश के लिए समर्पित है। आचार्य ने कहा कि तुम तो जैन हो लेकिन डॉक्टर मोहन यादव उज्जैन है। हमारे भगवान नेमिनाथ भी यदुवंशी थे तो वहीं मोहन यादव भी यदुवंशी कुल के हैं। राजस्थान में आकर उन्होंने इस उत्सव को महोत्सव बनाया है। कार्यक्रम में बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम तथा महिलाओं ने अरिहंतो, सिद्धो नमस्कार धर्म पर आधारित भजन के साथ नृत्य की शानदार प्रस्तुति दी जिसे मौजूद सभी लोगों ने काफी सराहा। इस दौरान राजकुमार जैन बैंक वाला एवं साथी ने भजनों के माध्यम से अपनी प्रस्तुतियां दी। कार्यक्रम का संचालन कोटा निवासी गोपाल सोनी एवं यशोवर्धन बाकलीवाल ने किया। इन्होंने किया सम्मान। दिगंबर जैन समाज अध्यक्ष कमल अजमेरा, यशोवर्धन बाकलीवाल, किरण भाई हूमड, सुसनेर के पूर्व विधायक विक्रम सिंह राणा, पिड़ावा नगर पालिका अध्यक्ष रामेश्वर पाटीदार, झालरापाटन नगर पालिका अध्यक्ष वर्षा मनीष चादवाड ने मुख्यमंत्री का तिलक लगाकर एवं स्मृति चिन्ह भेंटकर स्वागत किया। कविम जैन द्वारा रचित अभिनंदन पत्र मुख्यमंत्री को प्रदान किया। आचार्य ने उन्हें लॉकेट पहनाया। समाज के राजेंद्र बागड़िया, जैसवाल समाज अध्यक्ष यशवंत जैन ने केंद्रीय जल संसाधन मंत्री का स्वागत किया। आचार्य, समकित जैन, यशोवर्धन बाकलीवाल ने उन्हे लॉकेट की माला पहनाकर सम्मानित किया। भाजपा पूर्व अध्यक्ष संजय जैन ताऊ व वरिष्ठ नेता मुकेश चेलावत ने केंद्रीय जल संसाधन मंत्री व आरपीएससी पूर्व अध्यक्ष श्याम सुंदर शर्मा का तथा पूर्व विधायक अनिल जैन ने भाजपा पूर्व प्रदेश अध्यक्ष पूनिया का स्वागत किया। कार्यक्रम में राजस्थान जैन महासभा के अध्यक्ष प्रदीप जैन , महामंत्री विनोद कोटखावदा भी मौजूद थे। इस मौके पर मदन भाई हूमड द्वारा जारी 25 मंदिरों के जीर्णोद्धार एवं 450 मूर्तियां की स्थापना के फोल्डर का विमोचन किया गया। दूर-दूर सेआए भक्तो ने एवम मुख्यमंत्री ने आचार्य का पाद प्रक्षालन किया। कार्यक्रम में भाग लेने के लिए गुजरात बडौदा, अहमदाबाद, मुंबई, गाजियाबाद भौपाल,रतलाम, इंदौर, उज्जैन, सुसनेर, पिडावा, कड़ोदिया, रामगंजमंडी, भवानीमंडी, खानपुर, कोटा, बारां, बूंदी, जयपुर, चाकसू सहित दूर-दूर के श्रावकों ने भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इससे पूर्व रविवार सुबह शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर में भगवान शांतिनाथ का पंचामृत अभिषेक हुआ। एसटीसी स्कूल में 52 परिवारों ने आचार्य की महापूजन कर आशीर्वाद लिया। दोपहर 1:00 बजे शांतिनाथ मंदिर से बैंड बाजो के साथ शोभा यात्रा निकाली गई। जिसमें समाज के पुरुष सफेद वस्त्र में और महिलाएं पीले वस्त्र में आचार्य प्रज्ञा सागर महाराज के साथ और नवयुवक हाथों में स्लोगन लिखी तख्तियों लिए आचार्य का जयकारा लगाते हुए चल रहे थे।

नलिन जैन लुहाड़िया से प्राप्त जानकारी के साथ अभिषेक जैन लुहाड़िया रामगंजमंडी की रिपोर्ट

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

नेटथियेट पर ताल कथक नृत्य

कथक में भाव,लय की शानदार प्रस्तुति ने मनमोहा

जयपुर. शाबाश इंडिया। नेटथियेट कार्यक्रमों की श्रृंखला में आज जयपुर घराने के युवा कथक कलाकार रिदम कावा ने अपने भावपूर्ण कथक नृत्य से जयपुर जयपुर घराने के शुद्ध कथक नृत्य की बारीकियों को दर्शाया। नेटथियेट के राजेन्द्र शर्मा राजू बताया की सुप्रसिद्ध नृत्याचार्य पं. कन्हैया लाल की चौथी पीढ़ी के कलाकार रिदम ने शुद्ध कथक ताल, थाट, आमद, परण, फरमाइशी बातें, जयपुर कथक का फुटवर्क और चक्करदार तोडा की प्रस्तुति से जयपुर कथक को साकार किया। ज्ञात रहे की रिदम कावा सुप्रसिद्ध कथक गुरु पं. राजेंद्र राव के पोते हैं और इस कार्यक्रम की परिकल्पना भी उनकी है। कथक डांसर रिदम को बचपन से ही संगीत का माहौल मिला। यह उनकी प्रथम प्रस्तुति है। रिदम के साथ तबले पर पं. तेजकरण कावा, नगमे और पढत पर आपके पिता और गुरु पं. जयकरण कावा और मजीरे पर मंजीरा कावा एवं आयुषी कावा ने छोटा ख्याल की एक बंदिश सावन की ऋतु आई री सजनिया की शानदार प्रस्तुति से कार्यक्रम को ऊंचाइयां दी। कार्यक्रम में खुशखरीद के देवेंद्र सिंधवी ने कलाकारों को स्मृति चिन्ह प्रदान किये। कार्यक्रम संयोजक नवल डांगी, कैमरा मनोज स्वामी, संगीत विनोद सागर गढ़वाल एवं वीरेंद्र सिंह राठौड़, मंच सज्जा जीवितेश एवं अंकित शर्मा नोनू की रही ।

दान धर्म का महत्वपूर्ण अंग है : महासती प्रितीसुधा

पर्युषण के द्वितीय दिवस 500 सौ श्रावक-श्राविकाओं ने उपवास के प्रत्याख्यान लिए

उदयपुर. शाबाश इंडिया। दान धर्म का महत्वपूर्ण अंग है। सोमवार को पंचायती नोहरा मुखर्जी चौक में पर्युषण महापर्व के द्वितीय दिवस साध्वी प्रितीसुधा ने पर्युषण मे धर्म आराधना साधना करने वाले श्रद्धालुओं को प्रवचन सभा मे संबोधित करते हुए कहा कि सभी धर्मो मे दान को बहुत महत्त्वपूर्ण बताया गया है। दान का अर्थ है बिना किसी स्वार्थ के दूसरों की मदद के लिए कुछ देना। यह न केवल दूसरों के लिए सहायक होता है बल्कि देने वाले के लिए भी आध्यात्मिक उन्नति का मार्ग खोलता है। दान स्वार्थरहित भावना से, बिना किसी व्यक्तिगत लाभ की अपेक्षा के जो इंसान दान देता है। ऐसा दान ही सही मायनों में सुपात्र दान बनता है। दान देने से इंसान मे परिग्रह करने की प्रवृत्ति नहीं आती है मन में उदारता का भाव रहता है और व्यक्ति का मोह, लालच खत्म हो जाता है। दान करने से हम न सिर्फ दूसरों का भला करते हैं,बल्कि हम अपने व्यक्तित्व को भी निखारते हैं जब हम दान बिना किसी स्वार्थ भाव के करते हैं तो उस सुख का अनुभव हमें आत्म संतुष्टि के देता है। साध्वी मधुसुधा ने कहा कहा कि दान देने से घटता नहीं बल्कि बढ़ता है। तपस्वनी साध्वी संयम सुधा ने अतंगड सूत्र का वांचना किया। इसदौरान धर्मसभा में साध्वी प्रितीसुधा से 500 श्रावक-श्राविकाओं ने उपवास के प्रत्याख्यान लिए। बड़ी तपस्या करने वालों का श्रावक संघ के अध्यक्ष सुरेश नागौरी महामंत्री रोशनलाल जैन,राजेन्द्र खोखावत, लक्ष्मीलाल जैन व महिला मंडल की मंजू सिरोया, संतोष जैन, पुष्पा खोखावत आदि पदाधिकारियों ने तपस्याथीयो का सम्मान किया गया। -प्रवक्ता निलिप्का जैन

आचार्य आर्जव सागर महाराज ने कहा...

सम्मेद शिखर महामण्ड़ल विधान एवं बाल संस्कार कार्यक्रम में बच्चों को संस्कार दिये, बचपन के संस्कार पचपन तक काम आते हैं

सौरभ जैन. शाबाश इंडिया

पिड़ावा। सकल दिगंबर जैन समाज के तत्वावधान में श्री सम्मेद शिखर महामंडल विधान एवं बाल संस्कार शिविर का आयोजन किया गया। समाज प्रवक्ता मुकेश जैन चेलावत ने बताया कि पूज्य आचार्य 108 श्री आर्जव सागर महाराज ससंघ जिनका 37वां चातुर्मास श्री सांवलिया पार्श्वनाथ दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र बड़ा मंदिर में चल रहा है। जिनके पावन सानिध्य में प्रतिदिन ज्ञान की गंगा बह रही है। उनके सानिध्य में पं.पारस जैन इंदौर के कुशल नेतृत्व में लोक कल्याण महामंडल विधान श्री आर्जव सागर नवीन मांगलिक भवन में चल रहा है। इस दौरान सम्मेद शिखर की रचना कर 24 सोधर्म इन्द्रौ द्वारा श्री सम्मेद शिखर महामंडल विधान पर अर्ध समर्पित किए गए व आचार्य श्री द्वारा बच्चों को विधि विधान से संस्कारित किया गया। इस अवसर पर महाराज जी ने बताया कि बचपन के संस्कार पचपन तक काम आते हैं। महाराज जी की प्रेरणा से भव्य रजत रथ बनकर तैयार होने वाला है।

अन्तर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागरजी महाराज के प्रवचन से...

कुलचाराम, हैदराबाद. शाबाश इंडिया। लोग कीचड़ से बचकर इसलिए चलते हैं, कहीं कपडे.खराब ना हो जाये..और कीचड़ को घमण्ड हो जाता है, कि लोग उससे डरते हैं..! इसलिए संसार कीचड़ है, यह कहकर उसे ठुकरा मत देना, वरना कमल के खिलने की संभावना खत्म हो जाएगी। संसार कीचड़ है। इसीलिए इसे दुत्कार कर, दुत्कार मत देना, वरना जीवन के सत्य से वंचित रह जाओगे। संसार कहाँ नहीं है-? पूरब, पश्चिम, उत्तर, दक्षिण, सब दिशाओं में तो संसार है। वह तो दूर-दूर तक फैला हुआ है। संसार से भागना नहीं है। भाग कर जाओगे भी कहाँ? क्योंकि संसार से बाहर कुछ भी नहीं है। और तो और मोक्ष भी संसार में ही है। यह बात अलग है कि मोक्ष में संसार नहीं है। इसलिए मैंने कहा कि संसार से भागना नहीं अपितु जागना है। जागरण ही जीवन है। जिन्होंने भी पाया है, जाग कर ही पाया है। जो भी पहुंचा है, जाग कर ही पहुंचा है। जो दिख रहा है, वह संसार तो कम है। इच्छाओं का, वासनाओं का, कामनाओं का, हमारा अनंत संसार है, जिसने हमें परेशान और दुःखी करके रखा है!

-नरेंद्र अजमेरा, पियुष कासलीवाल औरंगाबाद।

108 मंडलीय णमोकार महाअर्चना पद्मावती पब्लिक स्कूल मानसरोवर जयपुर में आयोजित

जयपुर. शाबाश इंडिया। मानसरोवर जयपुर स्थित पद्मावती पब्लिक स्कूल में आज 108 उपाध्याय वृषभानंद जी महाराज ससंघ के सानिध्य में 108 मंडलीय णमोकार महा अर्चना की गई। अध्यक्ष पवन नगिनें वालों ने बताया है कि श्री पारसनाथ दिगंबर जैन मंदिर में चल रहे 35 दिवसीय 108 मंडलीय णमोकार महाअर्चना पद्मावती पब्लिक स्कूल मानसरोवर जयपुर में की गई । स्कूल के सचिव सुनील बख़्शी ने बताया कि यह स्कूल श्री महावीर दिगंबर जैन शिक्षा परिषद सी स्कीम जयपुर के द्वारा संचालित की जा रही है हमारे यहां प्री- प्राइमरी क्लास से शूरू किया है बच्चों के लिये प्ले जोन बनाया है सभी क्लासरूम वातानुकूलित बनाये जा रहे हैं, डिजिटल क्लासरूम होंगे। शिक्षा परिषद के कोषाध्यक्ष महेश काला ने बताया है कि यह परिसर तीन तलों में है जिसमें कि लगभग 30 कमरे है पुरा स्कूल इंटरनेशनल तर्ज पर होगा। यहां पर हम सभी समाज के बच्चों को शिक्षा का लाभ देंगे हमारा मानना है, हम सभी समाज को साथ लेकर चले जिससे कि शिक्षा का ज्यादा से ज्यादा उत्थान हो।

-मीडिया प्रभारी : जिनेश कुमार जैन

35 दिवसीय णमोकार महा अर्चना का पूर्ण निष्ठा पन

जयपुर. शाबाश इंडिया। परम पूज्य आचार्य गुरुवर वसुनंद जी मुनिराज के परम प्रभावक शिष्य उपाध्याय श्री वृषभानंद जी मुनिराज, मुनि श्री सदानंद जी मुनिराज एवं छूलक श्री पूणानंद जी के सानिध्य में थड़ी मार्केट जैन मंदिर में 35 दिन से चल रही णमोकार मंत्र महाअर्चना का निष्ठा पन थड़ी मार्केट जैन मंदिर स्थित पद्मावती स्कूल में बड़ी ही धूमधाम एवं हर्ष उल्लास के साथ हुआ इस अवसर पर मुनि श्री ने अपने मंगल प्रवचन में कहा की समाज के सभी लोगों को अपने धन का सदुपयोग धार्मिक कार्यों में निरंतर करते रहना चाहिए इससे उनके जीवन में शुभ तथा आनंद की अनुभूति होती रहती है समिति के अध्यक्ष पवन जैन नगीना ने बताया कि कार्यक्रम का झंडारोहण समाज श्रेष्ठी राजीव गाजियाबाद द्वारा किया गया। पद्मावती स्कूल के सभी सम्मानित सदस्य की इस अवसर पर मौजूद रहे। समिति के महामंत्री अनिल बाकलीवाल महिला मंडल अध्यक्ष भंवरी देवी युवा मंडल अध्यक्ष सिद्ध कुमार सेठी मंत्री मनीष जैन विद्या वसु पाठशाला से पंकज जैन लुहाड़िया एवं समाज की अलग-अलग कॉलोनी से भक्त गण पधारे तथा संपूर्ण कार्यक्रम भक्ति भाव में तरीके से संपन्न हुआ जिसमें हवन के साथ अंत में वात्सल्य भोज का कार्यक्रम रखा गया।

लायंस क्लब कोटा सेंट्रल द्वारा रक्तदान शिविर आयोजित

43 यूनिट हुआ ब्लड कलेक्शन

आजाद शेरवानी. शाबाश इंडिया

कोटा। लायंस क्लब कोटा सेंट्रल द्वारा गणेश मीना की पुण्यतिथि पर अग्रवाल ब्लड बैंक में रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। क्लब अध्यक्ष मधु ललित बाहेती एवं सेक्रेटरी राधा खुवाल ने बताया कि शिविर संयोजिका चंदा बरवाडिया के मोटीवेशन पर रक्तवीर युवा दिलराज केवट, सुरेश मीणा, भुवनेश मीणा, पुरुषोत्तम कौशल, कृष्ण तीरथ, अंकित सुमन, दीपक, भरतराज, नीरज, बंटी, मोनू और गोलू ने स्वयं भी रक्तदान किया और अपनी भावनाएं व्यक्त करके औरों को भी रक्तदान के लिए प्रेरित कर ब्लड डोनेशन करवाया शिविर में 43 यूनिट ब्लड का कलेक्शन हुआ।

सही दिशा में हो पुरूषार्थ, दृष्टि साफ होने पर सोच बदल जाएगी: आचार्य सुंदरसागर महाराज

शास्त्रीनगर हाउसिंग बोर्ड स्थित सुपार्श्वनाथ पार्क में वर्षायोग प्रवचन

सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। भगवान हमारे कर्ता नहीं है बल्कि हमारे कर्म ही हमारे कर्ता है। भगवान सारी बाते देखते रहते है ओर किसी से राग द्वेष नहीं रखते है। जो हम कर चुके ओर कर रहे है भगवान वही देखते है। वस्तु में परिणमन को देखते है। तीसरे नेत्र से ऐसा दिव्य ज्ञान हमे मिला है जो र्स्वस्व त्याग साधना करने वालों को ही मिलता है। अपने कर्मो से हमे कोई नहीं बचा सकता इसलिए कभी धर्म के विपरीत कार्य नहीं करने चाहिए। ये विचार शहर के शास्त्रीनगर हाउसिंग बोर्ड स्थित सुपार्श्वनाथ पार्क में श्री महावीर दिगम्बर जैन सेवा समिति के तत्वावधान में चातुर्मासिक (वर्षायोग) वर्षायोग प्रवचन के तहत सोमवार को राष्ट्रीय संत दिगम्बर जैन आचार्य पूज्य सुंदरसागर महाराज ने व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि हमे सही दिशा में पुरूषार्थ करना होगा। सोच खराब होने पर डॉक्टर चाहिए लेकिन दृष्टि साफ होने पर सोच बदल जाएगी। वस्तु का स्वरूप दिख जाएगा ओर गुणस्थान चौथा हो जाएगा। धर्म के मार्ग पर आकर जो सूत्र है उसकी पालना करनी चाहिए। आचार्यश्री ने कहा कि सुनना सबकी चाहिए लेकिन करना वहीं चाहिए जो आगम में कहा गया है। अविरत सम्यक दृष्टि एक समय के लिए होने पर भी मोक्ष जाना निश्चित है। समय की परवाह किए बिना अपने भीतर झांके ओर नीचे से उपर की तरफ चलते हुए अपनी आत्मा का कल्याण करे। आत्मकल्याण तभी हो पाएगा जब हम अपने भीतर की सफाई कर लेंगे। इससे पूर्व प्रवचन में मुनिश्री शुभमकीर्ति महाराज ने कहा कि हिंसा, असत्य, चोरी, परिग्रह आदि से निवृत होना व्रत है। पांचों पापो से निवृत होना हमारे जीवन का लक्ष्य होना चाहिए। जिनवाणी, साधु संतों के सानिध्य में पुण्य का आश्रव होता है। उन्होंने कहा कि हम कामना कषायों के खत्म होने की करते है लेकिन कर्म ऐसे करते है जो कषाय बढ़ाते है। पर्युषण दशलक्षण पर्व आने वाले है, यह पर्व धर्म से जुड़ने का अवसर देते है। व्रत लेकर जीवन को सुरक्षित बनाने के साथ मोक्ष मार्ग पर अग्रसर हो सकते है। श्री महावीर दिगम्बर जैन सेवा समिति के अध्यक्ष राकेश पाटनी ने बताया कि सभा के शुरू में चातुर्मास कमेटी की मेडिकल टीम द्वारा मंगलाचरण, दीप प्रज्वलन, पूज्य आचार्य गुरूवर का पाद प्रक्षालन कर उन्हें शास्त्र भेंट व अर्ध समपर्ण किया गया। संचालन पदमचंद काला ने किया। मीडिया प्रभारी भागचंद पाटनी ने बताया कि वर्षायोग के नियमित कार्यक्रम श्रृंखला के तहत प्रतिदिन सुबह 6.30 बजे भगवान का अभिषेक शांतिधारा, सुबह 8.15 बजे दैनिक प्रवचन, सुबह 10 बजे आहार चर्या, दोपहर 3 बजे शास्त्र स्वाध्याय चर्चा, शाम 6.30 बजे शंका समाधान सत्र के बाद गुरू भक्ति एवं आरती का आयोजन हो रहा है।

युवाओं को संस्कारवान बना धर्म से जोड़ने वाली होती है मां: कंचनकंवरजी म.सा.

मां की महिमा अपरम्पार, मां के बिना संभव नहीं संसार: सुलाचनाजी म.सा.

सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। वर्तमान युवा पीढ़ी को सही मार्गदर्शन देना जरूरी है। ऐसा नहीं कर पाए तो आने वाला समय कैसा होगा इसकी कल्पना भी नहीं कर सकते। युवा पीढ़ी को धर्म से जोड़ने ओर सही मार्गदर्शन देने में मां की भूमिका अहम है। मां ही होती है जो बच्चों को संस्कारवान बनाने के साथ सही मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती है। ये विचार श्रमण संघ के प्रथम युवाचार्य पूज्य श्री मिश्रीमलजी म.सा.'मधुकर' के प्रधान सुशिष्य उप प्रवर्तक पूज्य विनयमुनिजी म.सा.'भीम' की आज्ञानुवर्तिनी शासन प्रभाविका पूज्य महासाध्वी कंचनकुंवरजी म.सा. ने महावीर भवन बापूनगर श्रीसंघ के तत्वावधान में आठ दिवसीय पर्वाधिराज पर्युषण पर्व के दूसरे दिन मां है मंदिर ममता का विषय पर प्रवचन में व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि पर्वाधिराज पर्युषण युवाओं को धर्म से जोड़ने का सही अवसर है। हम जिनवाणी श्रवण करने के लिए उन्हें भी अपने साथ अवश्य लाए। वह धर्म से जुड़ गए तो जीवन भी सुधर जाएगा। प्रखर वक्ता साध्वी डॉ.सुलोचनाश्री म.सा. ने कहा कि मां शब्द सुनने में बहुत छोटा लगता लेकिन इस शब्द की महिमा अपरम्पार है। मां के बिना संसार की कल्पना भी नहीं की जा सकती। मां की विराटता ओर विशालता को आंकना बहुत मुश्किल है। एक जननी ही जानती है कि संतान को जन्म देते समय कितनी वेदना सहन करनी होती है। महापुरूषों को इस धरा पर लाने वाला मां ही होती है। ऐसी मां को जितना नमन करे कम होगा। उन्होंने कहा कि मां कभी अपने संतान को दुःखी नहीं दे सकती है। मां स्वयं गीले में रहकर संतान को सूखे में रखती है। मां ही अंगुली पकड़ बच्चे को चलना सिखाती है। जो जीवन में मां का नहीं हो सकता वह फिर किसी अन्य का भी नहीं हो सकता है। उन्होंने इस हालात को अफसोसजनक बताया कि माता-पिता को आठ संतान संभालने में जोर नहीं आता ओर सबका बराबर पालन पोषण करते है पर आठ संतान मिलकर एक माता-पिता की संभाल नहीं कर पाती है। मधुर व्याख्यानी डॉ. सुलक्षणाश्री म.सा. ने कहा कि मां की महिमा का जितना गुणगान करे उतना कम है। मां हमेशा अपनी संतान को योग्य व समर्थ बनाने के लिए सब कुछ न्यौछावर करने को तैयार होती है। मां बच्चों को संस्कारवान ओर धर्मवान बनाती है ताकि उसके जीवन का कल्याण हो सके। प्रवचन के शुरू में सुबह 8.30 बजे से अंतगड़ दशांग सूत्र के मूल पाठ का वाचन साध्वी डॉ. सुलोचनाजी म.सा. के मुखारबिंद से हुआ। धर्मसभा में कई श्रावक-श्राविकाओं ने सामूहिक तेला तप करने की भावना रखते हुए दूसरे दिन बेला तप के प्रत्याख्यान लिए।

बच्चे में धार्मिक संस्कारों का हो रहा बीजारोपण

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

नसीराबाद ।स्थानीय जैन समाज के छोटे-छोटे बच्चे सप्ताह के हर रविवार को प्रातः मंदिरों में अष्ट द्रव्यों से पूजन द्वारा धार्मिक संस्कारों का बीजारोपण हो रहा है ।रविवार को जैन समाज के छोटे-छोटे बच्चों को आदिनाथ दिगंबर जैन बड़ा मंदिर में बीना गदिया, सीमा बड़जात्या, व सोनू सोनी आदि ने अष्ट द्रव्यों से पूजन कराकर उन्हें धार्मिक संस्कारों की शिक्षा प्रदान की। पूजन कर धार्मिक शिक्षा प्राप्त करते हुए बच्चे धार्मिक संस्कार गढ़ रहे हैं।

द्वितीय भामाशाह सम्मान समारोह संपन्न

अमित गोधा. शाबाश इंडिया

ब्यावर। जिले का द्वितीय भामाशाह सम्मान समारोह राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय अशोकनगर ब्यावर में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि ब्यावर उपखंड के विधायक शंकर सिंह रावत थे तथा अध्यक्षता जिला शिक्षा अधिकारी मुख्यालय ब्यावर अजय गुप्ता ने की । कार्यक्रम में ब्यावर शहर के विविध विद्यालयों के प्रधानाचार्य एवं कर्मचारी उपस्थित रहे जिला स्तरीय भामाशाह सम्मान समारोह में ब्यावर जिले से शांतिलाल नवारिया भामाशाह एवं दानदाता को सम्मानित किया गया। उन्हें सम्मान पत्र श्रीफल एवं मोमेंटो देकर शिक्षा विभाग के द्वारा बहुमन किया गया लगभग आपने लगभग 7 लाख का काम विद्यालयों में कराया तथा सहयोग राशि भी प्रदान की इसी प्रकार डॉक्टर राजेंद्र कुमार गोखरू को भी भामाशाह के रूप में सम्मानित किया गया अपने राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय विजयनगर में 11 ल ख रुपए की राशि देकर विद्यालय मैं फर्नीचर उपलब्ध कराया। साथ ही प्रेरक के रूप में डॉक्टर सीमा कृपलानी प्रधानाचार्य पीएम श्री राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय छावनी रोड ब्यावर को भी सम्मानित किया गया आपने विद्यालय के भौतिक विकास एवं छात्रों को सुविधा उपलब्ध कराने की दृष्टि से भामाशाहों को प्रेरित कर लगभग 8 लाख का कार्य छावनीविद्यालय मे करवाया साथ ही गोवर्धन जी पारीक को भी भामाशाह प्रेरक के रूप में सम्मान समारोह में सम्मानित किया गया डॉक्टर गोखरू ने कहा की धन तो लोगों के पास बहुत होता है लेकिन मन नहीं होता अतः दान देने के लिए मन होना अत्यंत आवश्यक है।

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप संगिनी फॉरएवर द्वारा भक्ति व भजनों का आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

भाद्रपद मास के सोलह कारण पर्व के व्रत संगिनी ग्रुप की अध्यक्ष श्रीमती शकुंतला जी के द्वारा किए जा रहे हैं इस अवसर पर संगिनी ग्रुप की सचिव सुनीता कोषाध्यक्ष उर्मिला सहित अर्चना शीला मधु बीना बबीता स्नेहलता अनीता अंजना अलका आदि सभी सदस्यों के द्वारा जनकपुरी संयम भवन में विनतियों का कार्यक्रम किया गया ।जिसमें समस्त जनकपुरी जैन समाज सहित फेडरेशन अध्यक्ष राजेश बड़जात्या, दिगंबर जैन महा समिति राजस्थान अंचल अध्यक्ष अनिल जैन आईपीएस, मोहनलाल गंगवाल, इंद्र कुमार जैन, सुनील बज, ज्ञानचंद आदि गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति ने कार्यक्रम में चार चांद लगाए गायिका प्रतीक्षा जैन के भजनों पर श्रीमती संगीता अजमेरा, सीमा जैन, सुशीला ,सरला संघी, आदि ने भक्ति करके वातावरण को भक्ति मय बनाया ।शशि सोगानी, रचना वैद आदि ने उपस्थित होकर शकुंतला के लिए अनुमोदना की एवं भक्ति गीत की प्रस्तुति दी। श्रीमती सरोज एवं इलायची बाकीवाला आदि के द्वारा ग्रुप को विशेष सहयोग प्रदान किया गया। अनीता जी द्वारा प्रस्तुत कॉमेडी नाटिका ने सबको खूब हंसाया।

छात्र-छात्राओं को दिया सड़क सुरक्षा जागरूकता के लिए व्याख्यान

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

नसीराबाद। प्रादेशिक परिवहन अधिकारी अजमेर श्रीमति सुमन भाटी के निर्देशन में परिवहन निरीक्षक अनिल कुमार शर्मा द्वारा सोमवार को नसीराबाद के राजकीय व्यापारिक उच्च माध्यमिक विद्यालय में छात्र एवम छात्राओं को सड़क सुरक्षा जागरूकता की जानकारी हेतू व्याख्यान दिया गया। जिसमे सड़क पर होने वाली सड़क दुर्घटनाओं के विभिन्न कारणों एवम दुर्घटनाओं में कमी लाने व रोकने हेतु प्रयास करने एवम सड़क संकेत चिन्हों को विस्तार से समझाया गया । इसके साथ ही सड़क दुर्घटनाओं में होने वाले घायल व्यक्तियों की मदद करने एवम गुड स्मेरिटन के लिए प्रोत्साहित किया गया इसके साथ ही सभी को अपने वाहनों के साथ उपयोगी दस्तावेज साथ रखेंने हेतु जानकारी दी गई। सभी को सड़क सुरक्षा जागरूकता पेंपलेट ब्रोशर एवम पुस्तिका का वितरण किया गया। कार्यक्रम के अंत में सभी को सड़क सुरक्षा की शपथ दिलाई गई । कार्यक्रम में संस्था प्रधान यूसुफ अली, सुश्री रूबी मेसी, अमरदीप वैष्णव, गगन पथरिया, गजेन्द्र गोयल, मदन लाल, अशोक हिनुनिया, विमला मेघानी, भानु प्रताप, सुरेन्द्र नागौरा, श्री मति सरिता यादव, श्रीमति हेमंती, परिवहन विभाग के गार्ड शेर मोहदमद, धर्मेंद्र सिंह रावत आदि मोजूद थे।

पुण्यहीन को गले लगा ले वो महाभाग्यशाली पुण्यवान होता है: निर्यापक मुनिपुंगव श्री सुधासागर जी महाराज

सागर. शाबाश इंडिया

भाग्योदय तीर्थ पर अपने मंगल प्रवचन देते हुए निर्यापक श्रमण मुनि पुंगव 108 श्री सुधा सागर महाराज ने अपने मंगल प्रवचन देते हुए कहा कि ऊंचा उठने के लिए ऊंचा देखना जरूरी नहीं है, ऊँचा उठने के लिए नीचे देखना जरूरी है। जो ऊँचे उठना चाहते हैं वह जितना नीचे देखकर चलेंगे, उतना ही ऊँचाइयों पर पहुँचने की गुंजाइश रहेगी। उन्होंने कहा नीच बनना नही है, नीचे देखना है। कीड़े मकोड़े बनना नहीं है, कीड़े मकोड़े को देखना है। महावीर के दर्शन से ज्यादा महत्वपूर्ण है तुच्छ, निकृष्ट जीवों को देखना। सर्वश्रेष्ट बनने के लिए यदि हम सर्वश्रेष्ठ को देखेंगे तो मात्र भक्त बन पायेंगे और सर्वश्रेष्ट बनने के लिए हम नीचे पुण्यहीन तुच्छ जीवों को देखेंगे तो भगवान बन जायेंगे। जैनकुल में जन्म लेने वाला जिंदगी में हजारों बार अपने आप को भाग्यशाली मानता है, मैं कितना भाग्यशाली हूं कि मेरा जन्म भारत में हुआ, मनुष्य बना, उसमे भी जैन बना, ऐसे माता-पिता मिले, अच्छा कुल, आचार्य श्री जैसे गुरु मिले यह सब भाग्यशालियों की लिस्ट पड़ी है। इससे बड़ा भाग्यशाली कौन है वो व्यक्ति अपने को पुण्यवान माने और किसी नीच को पुण्यवान बनाने का भाव जाग जाए, वो उससे बड़ा भाग्यशाली है। सबसे बड़ा भाग्यशाली है कि पुण्यहीन को ठोंकर दुनिया मारती है, पुण्यहीन से घृणा दुनिया करती है, पुण्यहीन को गले लगा ले वो महाभाग्यशाली पुण्यवान होता है। सारी दुनिया ने भक्ति का अंतिम लक्ष्य बनाया कि मुझे भगवान की, गुरु की सेवा करने का मौका मिलना चाहिए, बस इससे आगे कुछ नही। बस जैनदर्शन कहता है कि- नहीं, मुझे आप जैसा बनने का मौका मिलना चाहिए। महावीर स्वामी का विश्व में मात्र एक दर्शन है, जिस पद पर महावीर स्वामी बैठे हैं, जो व्यक्ति उनके पद का दावेदार है, वही महावीर की पार्टी का व्यक्ति है। आजादी के बाद भारत में राजतंत्र नहीं प्रजातंत्र चाहा और प्रजातंत्र का मूल संस्थापक है जैनधर्म, किसी भी दर्शनकार में नहीं था कि प्रजातंत्र भी कोई चीज होती है, हर व्यक्ति एक ही बात कहता है राजतंत्र एक ही शक्ति है जो सर्वदृष्टा है, सर्वकर्ता है। विनाश करेगा तो वही विकास करेगा तो वही। हमारे भारत में दो जहरीले हवाएं चलती हैं- हमारे हाथ में कुछ नहीं है, हम मात्र उस शक्ति की कठपुतली है, वह जैसा नचाएगा तो हम नाचेंगे। जब सब उसी की मर्जी से होता है यह गलत कार्य किसकी मर्जी से होते है। यह कल्पना ना जाने किसने की है? भगवान की मर्जी कभी गलत नहीं होती, भगवान की कोई मर्जी होती ही नहीं है। कौन कहता है कि जैन धर्म ऊंची जाति का या जाति विशेष का धर्म है, अनुष्ठान के लिए जाति विशेष चाहिए, अनुष्ठान के लिए आचरण उच्च चाहिए। कुल, जाति ये सब अनुष्ठान के लिए है। धर्म और धर्म के अनुष्ठानों में बहुत अंतर है, अनुष्ठान शुद्धि पूर्वक किया जाता है, अनुष्ठान में कुल और जाति, बल्दीयत देखी जाती है और धर्म में कोई बल्दीयत नहीं देखी जाती, चांडाल भी धर्मात्मा बन सकता है लेकिन इसका यह अर्थ नहीं कि

वह अभिषेक कर सकता है, अभिषेक उच्च कुलीन, जन्म जन्म के पुण्यात्माओं का अनुष्ठान है। विकृत कुल वाला धर्म करने का अधिकारी है लेकिन विकृत कुल वाला आहार देने का अधिकारी नहीं है, ये अनुष्ठान है। वह भगवान की मूर्ति नहीं बिठाल सकता लेकिन भक्ति कर सकता है। जब साक्षात तीर्थंकर का जन्म सकुल में होता है तो ये मूर्ति नही है, यह मंदिर में भी साक्षात भगवान है, जिनका जन्म दुष्कुल में नही, विकृत कुल में नहीं। ये मूर्ति विकृत कुल वाले नही बैठालेगे। भगवान बनना अलग चीज है और भगवान को नमस्कार करना अलग चीज है। नमस्कार करने वाले में रक्त का संबंध हो ऐसा कोई नियम नहीं है लेकिन भगवान बनने के लिए वंश का संबंध आता है। विकृत और दुष्कल वाले धार्मिक दृष्टि से दो कार्य नहीं करना- तुम्हें दान देना है खूब दान दीजिए, भगवान की भक्ति कीजिए लेकिन भगवान का अभिषेक नहीं करना। भक्ति से कल्याण है और अभिषेक भक्ति नही, उच्चकुलीन भक्तों का अनुष्ठान है, दूसरा पंचकल्याणक के मुख्यपात्र नहीं बनना, कभी मूर्ति मत बैठालना, मूर्ति का दर्शन करना। आहार देने के लिए मना किया है, संत शाला बना दो न आप। ये पाँच चीजें यदि तुमने बंदिश कर ली तो तुम्हे इतना पुण्य लगेगा कि जन्म जन्म तक तुम्हें कभी विकृत कुल और दुष्कुल में जन्म नहीं मिलेगा। बेटे का बाप एक होता है तो भगवान की मूर्ति का दातार भी एक होना चाहिए, एक वंश होना चाहिए!

यह रहे मोजूद

पूज्य गुरुदेव के मंगल प्रवचन में शांत जैन सनौधा, अंकुश जैन बहेरिया, मनीष जैन बरकोटी, राहुल जैन तौलिया, शुभम जैन मीडिया के कार्यभार को प्रमुख रूप से साहिल जैन डबडेरा, कपिल जैन लम्बरदार,विवेक जैन मिक्की, स्वपनिल जैन आदि ने सक्रियता के साथ संपन्न किया।

अजय जैन लांबरदार से प्राप्त जानकारी के साथ अभिषेक जैन लुहाड़िया रामगंजमंडी की रिपोर्ट

जयपुर शहर में राजस्थानी स्टेज एप्प के लिए शॉर्ट फिल्म 'चप्पल' की शूटिंग हुई जिसमे जैन समाज मे उभरते युवा कलाकार 'अजय जैन मोहनबाड़ी एवं मन्नत मोदी' ने मुख्य भूमिका निभाई। फिल्म का निर्देशन श्याम बाबू शर्मा ने किया।

राजस्थान जैन युवा महासभा करेगी सुगंध दशमी पर मंदिरों में सजने वाली झांकियों को पुरस्कृत

जवाहर नगर-मालवीय नगर सम्भाग की बैठक में हुआ निर्णय

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिगम्बर जैन युवा एवं महिला संगठनों की प्रदेश स्तरीय पंजीकृत प्रतिनिधि संस्था राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर के जवाहर नगर-मालवीय नगर सम्भाग के पदाधिकारियों की आवश्यक मीटिंग का आयोजन सम्भाग कार्यालय 319, शांति पथ, सिंधी कॉलोनी, राजा पार्क पर किया गया। इस मौके पर पदाधिकारियों ने समाज हित के कई निर्णय लिये। सम्भाग अध्यक्ष डॉ राजीव जैन एवं प्रदेश महामंत्री विनोद जैन ने बताया कि मीटिंग का शुभारंभ विश्व शांति प्रदायक णमोकार महामंत्र के तीन बार सामूहिक उच्चारण से हुआ। तत्पश्चात परिचय सत्र किया गया। प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप जैन ने स्वागत उदबोधन देते हुए नवनिर्वाचित जिला अध्यक्ष संजय पंड्या, कार्याध्यक्ष राजेश बड़जात्या एवं महामंत्री सुभाष बज का सभी से परिचय करवाया। प्रदेश महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा ने संस्था की गतिविधियों पर प्रकाश डाला। मीटिंग में युवा महासभा के आगामी कार्यक्रमों के बारे में विचार विमर्श किया गया। मीटिंग में जवाहर नगर जोन अध्यक्ष संजय जैन, महामंत्री नीतू जैन मुल्तान, बापू नगर जोन के महामंत्री मनोज साह, मालवीय नगर जोन के महामंत्री विनित चांदवाड अपने पदाधिकारियों के साथ शामिल हुए। मीटिंग में निर्णय लिया गया कि दशलक्षण महापर्व के दौरान सम्भाग के अधीनस्थ दिगम्बर जैन मंदिरों में होने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रम, प्रतियोगिताऐ तथा सुगंध दशमी पर दिगम्बर जैन मंदिरों में सजाई जाने वाली झांकियों को जयपुर स्तर के साथ सम्भाग स्तर पर भी पुरस्कृत करने का निर्णय किया गया। मीटिंग में युवा महासभा के सदस्यता अभियान को गम्भीरता से लेते हुए प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप जैन एवं प्रदेश महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा ने शीघ्रातिशीघ्र सदस्यता अभियान को सफल बनाने के लिए निर्देश प्रदान किये गये। सम्भाग अध्यक्ष डॉ राजीव जैन ने बताया कि मीटिंग में युवा महासभा द्वारा गायन के क्षेत्र में समाज की प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने के लिए सम्भाग एवं जयपुर स्तर की भजन प्रतियोगिता आयोजित करने का निर्णय लिया गया। इसके लिए पवन पाण्डया झोटवाडा को मुख्य समन्वयक बनाया गया। इस मौके पर जिला अध्यक्ष संजय पाण्डया एवं सम्भाग अध्यक्ष डॉ राजीव जैन ने भी सम्बोधित किया। मीटिंग का संचालन जिला महामंत्री सुभाष बज ने किया। आभार सम्भाग महामंत्री विनोद जैन ने व्यक्त किया।

श्री दिगम्बर जैन आचार्य संस्कृत महाविद्यालय हुआ सम्मानित

जयपुर. शाबाश इंडिया। वरिष्ठ उपाध्याय (कक्षा-12) परीक्षा परिणाम में सर्वोच्च सूचकांक प्राप्त होने पर श्री दिगम्बर जैन आचार्य संस्कृत महाविद्यालय को राजस्थान सरकार द्वारा राज्यस्तरीय सम्मान समारोह में सम्मानित किया। शिक्षा मंत्री मदन दिलावर से महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ अनिल कुमार जैन ने सम्मान ग्रहण किया।

छोटे बच्चों को मोबाइल देना मिथ्यात्व को बढ़ावा देना है: मुनि प्रणम्य सागर

दो दिवसीय अर्हम कार्पोरेट रिट्रीट का हुआ समापन, 250 लोगो ने लिया लाभ

जयपुर. शाबाश इंडिया। संत शिरोमणि आचार्य 108 विद्यासागर महामुनिराज के परम प्रभावक शिष्य अर्हम योग प्रणेता मुनि प्रणम्य सागर महाराज के मुखारबिन्द से सोमवार को मीरा मार्ग के आदिनाथ भवन पर कवि भूधरदास द्वारा विरचित पार्श्वनाथ पुराण में बारह भावनाओं में बोधि दुर्लभ एवं लोक भावना का वाचन किया गया। इस मौके पर दो दिवसीय अर्हम कार्पोरेट रिट्रीट का समापन हुआ। इस शिविर में कार्पोरेट जगत के 250 से अधिक उद्यमियों एवं कार्मिकों ने भाग लेकर आत्म साधना की तथा सुखी एवं सफल जीवन जीने के गुर सीखे। मुनि श्री ने अपने प्रवचन में कहा कि हर आत्मा उस पर कसे कर्मो से छूटने के लिए पुरुषार्थ करता है। यही पुरुषार्थ उस आत्मा को परमात्मा बना सकता है। हम स्वयं अपने आप में परिपूर्ण है। तीर्थंकरों के प्रति विश्वास से हम सिद्धत्व को प्राप्त कर सकते हैं। इसी प्रसंग में मुनि श्री ने छोटे - छोटे बच्चों को हाथ में मोबाइल देने पर कहा कि इसकी आदत उन बच्चों को अभिषाप की तरह होगी। आज जो इतनी कम उम्र में आत्महत्या एवं हिंसक प्रवृति के कृत्य हो रहे हैं, उसका एक कारण अपरिपक्व उम्र में

बच्चों को स्मार्ट फोन देना भी है। हम सबको यह नियम लेना चाहिए कि जब तक हमारी संतान परिपक्व नहीं हो जाए उन्हें उनका व्यक्तिगत स्मार्ट फोन नही देना चाहिए। यह भी मिथ्यात्व को बढाने वाला है। मुनि श्री ने दोनों भावनाओं को समझाते हुए कहा कि कल्प वृक्ष व चिन्तामणि रत्न से भी हमें याचना करनी होती है। सिर्फ धर्म ही ऐसा कल्प वृक्ष व चिन्तामणि रत्न से बढकर है जिसके सामने हमें याचना नहीं करनी पडती है। इससे पूर्व आचार्य विद्यासागर महामुनिराज की संगीतमय पूजा की गई। आचार्य समय सागर महाराज एवं मुनि प्रणम्य सागर महाराज का अर्घ्य चढाया गया। गुणायतन ट्रस्ट के निर्माण मंत्री एवं अर्हम चातुर्मास समिति 2024 के संरक्षक समाजश्रेष्ठी सुनील पहाड़िया द्वारा संत शिरोमणि आचार्य विद्यासागर महामुनिराज एवं आचार्य समय सागर महाराज के चित्र का जयकारों के बीच अनावरण किया गया। भगवान आदिनाथ के चित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलन किया गया। तत्पश्चात मुनि प्रणम्य सागर महाराज के पाद पक्षालन एवं शास्त्र भेट करने का पुण्यार्जन प्राप्त किया। इस मौके पर सूरत निवासी समाजश्रेष्ठी निलकेश निधि, साधना, दर्शन जैन ने भी मुनिश्री को जिनवाणी भेट की। समिति के वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुनील बैनाडा व कार्यकारिणी सदस्य अशोक छाबड़ा, जिनेन्द्र काला ने अतिथियो को स्मृति चिन्ह भेट कर सम्मानित किया। इस दौरान गायत्री नगर दिगम्बर जैन समाज ने मुनिश्री को उनकी कालोनी में प्रवास के लिए श्रीफल भेंट किया। समिति के अध्यक्ष सुशील पहाड़िया एवं मंत्री राजेन्द्र सेठी ने बताया कि मीरामार्ग के श्री आदिनाथ भवन पर मुनि प्रणम्य सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में मंगलवार, 03 सितम्बर को प्रातः 8.15 बजे श्री पार्श्वनाथ कथा का संगीतमय आयोजन किया जाएगा इस मौके पर आचार्य विद्यासागर महामुनिराज की पूजा एवं मुनि श्री प्रणम्य सागर महाराज के मंगल प्रवचन होगें। मुनि श्री की आहारचर्या प्रातः 9:40 बजे होगी। दोपहर में 3.00 बजे शास्त्र चर्चा होगी। गुरुभक्ति एवं आरती सांय 6:30 बजे एवं वैयावृत्ति रात्रि 8:30 बजे होगी।

महाराष्ट्र अंचल एवं महाराष्ट्र महिला अंचल का दो दिवसीय संयुक्त आंचलिक अधिवेशन सम्पन्न

मुक्तागिरी जी. शाबाश इंडिया

प्रकृति के सुरम्य वातावरण में दिगम्बर जैन महासमिति के 50 स्वर्ण जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में सिद्धक्षेत्र मुक्तागिरी जी में महाराष्ट्र अंचल एवं महाराष्ट्र महिला अंचल का दो दिवसीय संयुक्त आंचलिक अधिवेशन सानंद सम्पन्न । दिगम्बर जैन महासमिति (68000 सदस्यों वाली संस्था) के 50वाँ स्वर्ण जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में महासमिति महाराष्ट्र अंचल एवं महाराष्ट्र महिला अंचल का दो दिवसीय संयुक्त आंचलिक अधिवेशन श्री सिद्धक्षेत्र मुक्तागिरी जी (महाराष्ट्र) में भव्य रूप से आयोजित किया गया।

प्रथम दिन सत्र दि. 24 अगस्त 2024 :- अधिवेशन में विभिन्न प्रांतो से आये सभी राष्ट्रीय व अंचल पदाधिकारियों का सहभागीता आगमन । सर्वप्रथम मंगलाचरण किया गया। दीप प्रज्जवलन राष्ट्रीय महामंत्री एवं महासमिति गौरव सुरेन्द्र कुमार जैन पांड्या एवं अन्य पदाधिकारीयों के द्वारा किया गया। सभी पदाधिकारीयों का स्वागत एवं सम्मान किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न प्रांतों से आये 11 इकाई व 25 संभाग के महिलाओं व पूरूषों द्वारा आयोजित भक्ति कार्यक्रम एवं मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं वात्सल्य भोज का आयोजन किया गया।

द्वितीय दिन सत्र दि. 25 अगस्त 2024 :- आंचलिक अधिवेशन में मंचासीन राष्ट्रीय महामंत्री एवं महासमिति गौरव सुरेन्द्र कुमार

जैन पाण्ड्या, जयपुर, राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष सुरेन्द्र कुमार जैन बकलीवाल, इन्दौर राष्ट्रीय संगठन मंत्री डी.के.जैन, इन्दौर, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ. संगीता जैन विनायका, इन्दौर मध्यांचल अध्यक्ष एवं महासमिति गौरव अनिल जी जैन (जैनको), इन्दौर, राजस्थान अंचल अध्यक्ष अनिल जी जैन (रिटायर्ड आई.पी.एस) जयपुर, मध्यांचल महामंत्री जैनेश जैन झांझरी, इन्दौर, राजस्थान महिला अंचल की संरक्षक श्रीमती मृदुला सुरेन्द्र जैन पांड्या, जयपुर महासमिति इन्दौर संभाग अध्यक्ष विरेन्द्र जैन बड़जात्या, इन्दौर महासमिति संरक्षक सदस्य श्रीमती शशि जैन, जयपुर सुदीप जैन, श्री महावीर जैन बैनाडा, महाराष्ट्र महिला अंचल की पूर्व अध्यक्ष श्रीमती उषाताई जैन उदापुरकार एवं शिरोमणी संरक्षक राजेन्द्र जैन सावलकर, महाराष्ट्र महिला अंचल पूर्व अध्यक्ष सौ श्रीमती शोभाताई सोईतकर कार्यक्रम में उपस्थित हुए। श्री सिद्धक्षेत्र मुक्तागिरी के अध्यक्ष अतुल कालमकर जैन, शांतिलाल वोलालकार जैन, चन्द्रशेखर जैन गुलावाडे, श्रीमती लताताई जैन सिंघई, श्रीमती शालिनीताई जी जैन, मुकुल जैन वाशिम एवं महाराष्ट्र अंचल एवं महाराष्ट्र महिला अंचल के सभी सदस्य एवं विशेष आमंत्रित सदस्य कार्यक्रम मे सम्मिलित हुए। अधिवेशन महाराष्ट्र अंचल अध्यक्ष डॉ. विजय जैन रोम महाराष्ट्र महिला अंचल अध्यक्ष श्रीमती वर्षाताई जैन काले, महाराष्ट्र अंचल महामंत्री संतोष जैन काले, महाराष्ट्र महिला अंचल महामंत्री श्रीमती प्रणिता सुहास जैन फुरसुले के कुशल नेतृत्व में आयोजित किया गया।

अधिवेशन का शुभारंभ महासमिति गीत से हुआ । स्वागत गीत कारंजा (लाड) महिला संभाग की सदस्यायों द्वारा प्रस्तुत किया गया। स्वागत नृत्य की सुन्दर प्रस्तुति अमरावती महिला संभाग द्वारा की गई । आशिर्वाद श्रमण मुनिश्री 108 समता सागर महाराज जी का उद्बोधन प्रोजेक्टर के माध्यम से हुआ । स्वागत समारोह उपस्थित सभी आमंत्रित अतिथियों का सम्मान किया गया व परोक्ष रूप से महासमिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अशोक जैन बड़जात्या जी का भी किया गया। स्वागत समारोह के पश्चात महाराष्ट्र महिला अंचल महामंत्री श्रीमती प्रणिता सुहास जैन फुरसुले जी ने आह्वान वाचन किया एवं आंचलिक अधिवेशन एवं महासमिति का उद्देश्य बताया। सभी मंचसीन श्रेष्ठियों का उद्बोधन हुआ। इस अवसर पर दिगम्बर जैन महासमिति केन्द्र द्वारा पुण्य निधि योजना से जरूरतमंद महिलाओं को रोजगार हेतू सिलाई मशीन का वितरण किया गया एवं विद्यार्थियों को शिक्षा में सहयोग के लिए राशि प्रदान की गई। जिसकी सराहना कार्यक्रम में उपस्थित सभी सदस्यों ने ताली बजाकर किया। महासमिति के राष्ट्रीय महामंत्री सुरेन्द्र कुमार जैन पांण्ड्या ने महासमिति के 50 स्वर्ण जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में महाराष्ट्र अंचल एवं महाराष्ट्र महिला अंचल का संयुक्त आंचलिक अधिवेशन को इतने भव्य रूप से विभिन्न गतिविधियों के साथ मनाये जाने की भूरि-भूरि सरहाना की एवं सभी अंचल पदाधिकारीयों का सम्मान किया। अध्यक्षीय उद्बोधन राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष सुरेन्द्र कुमार जैन बकलीवाल द्वारा किया गया। अंत में कार्यक्रम का समापन शंतिपाठ से किया गया।

अखिल भारतवर्षीय दिगंबर जैन युवा परिषद मानसरोवर संभाग की 14 वी चेतन तीर्थ यात्रा आयोजित

जयपुर. शाबाश इंडिया

युवा परिषद मानसरोवर संभाग द्वारा आयोजित 14 वी चेतन तीर्थ यात्रा आयोजित की गई। परिषद के अध्यक्ष अशोक बिंदायका (जोला वाले) एवम परिषद के महामंत्री पारस जैन बोहरा (दूदू वाले) ने बताया कि एक सितम्बर को एक दिवसीय चेतन तीर्थ यात्रा का आयोजन वरुण पथ जैन मंदिर से परम पूज्य आचार्य श्री शशांक सागर जी महाराज के आशीर्वचन के बाद यात्रा का शुभारंभ हुआ' कार्यक्रम मे परिषद के राष्ट्रीय महामंत्री उदय भान

जैन, प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जैन, बिमल बज ,परिषद के शिरोमणि संरक्षक डॉ राजीव जैन,सतीश कासलीवाल,वरुण पथ जैन मंदिर अध्यक्ष एमपी जैन वरुण पथ मंदिर समिति पदाधिकारी, एवम रवि गोदिका,रुचि जैन,नीरज बाकलीवाल,चेतन जैन,सतीश काला सुमन सेठी, राकेश पाटोदी, स्नेहलता जैन, पुष्पा जैन,राकेश पाटनी, बरखा जैन,रतन सोगानी,पिंकी मुकेश कासलीवाल,मुकेश जैन ,लाल चंद जैन,पवन छाबड़ा,प्रमोद जैन,मंजू जैन,कामिनी जैन, संजय जैन आदि यात्रा के सयोजक पदाधिकारी सदस्य आदि मौजूद रहे।

नेपाल सामूहिक जिनेन्द्र आराधना संस्था शाखा के सयोजन में नमस्कार महामन्त्र का अखंड जाप आज

काठमांडू, नेपाल. शाबाश इंडिया। आज मंगलवार को सामूहिक जिनेंद्र आराधना संस्था के संयोजन में रात्रिकालीन अखंड नमोकार जाप का आयोजन होगा। संस्था की नेपाल शाखा के अध्यक्ष सुभाष जैन सेठी के अनुसार इसमें नेपाल काठमांडू के जैन साधर्मी परिवार अधिक से अधिक संख्या में सहभागी होकर आध्यात्मिक ऊर्जा प्राप्त करने एवं धर्म लाभ लेने के लिए आयेंगे। सभी अपने अपने सुविधानुसार अपना अपना समय का स्लॉट आयोजको को लिखवा चुके है, ताकि रात्रि के इस अखंड नमोकार जाप को हर समय उचित संख्या में उपस्थित होकर सादर संपन्न किया जा सकें।

उत्तर पश्चिम रेलवे ने कबाड़ बेचकर कमाए 218 करोड़ रूपए

जयपुर. कासं। मिशन जीरो स्क्रैप अभियान के तहत उत्तर पश्चिम रेलवे ने कबाड़ (स्क्रैप) बेचकर साल 2023-24 में 218 करोड़ रूपए की आय की है। रेलवे की ओर से स्क्रैप में अनुपयोगी लोहे की पटरी, वैगन, कोच को शामिल किया है। स्क्रैप से होने वाली आय का उपयोग बुनियादी ढ़ांचे के विकास में किया जाएगा। उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी कैप्टन शशि किरण ने बताया- भण्डार विभाग की ओर से स्टेशनों, रेल परिसरों, फील्ड यूनिट्स से पुराने कबाड़ को हटाने तथा बेचने के लिए अभियान चलाया जा रहा है। भण्डार विभाग की ओर से वित्तीय वर्ष 2024-25 में अगस्त माह तक उत्तर पश्चिम रेलवे पर 80 करोड़ रुपए के कबाड (स्क्रैप) को बेचकर राजस्व प्राप्त किया है जो रेलवे बोर्ड की ओर से निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप है। उत्तर पश्चिम रेलवे को इस साल कबाड (स्क्रैप) निस्तारण से 200 करोड़ रुपए की आय अर्जित करने का लक्ष्य दिया गया है।

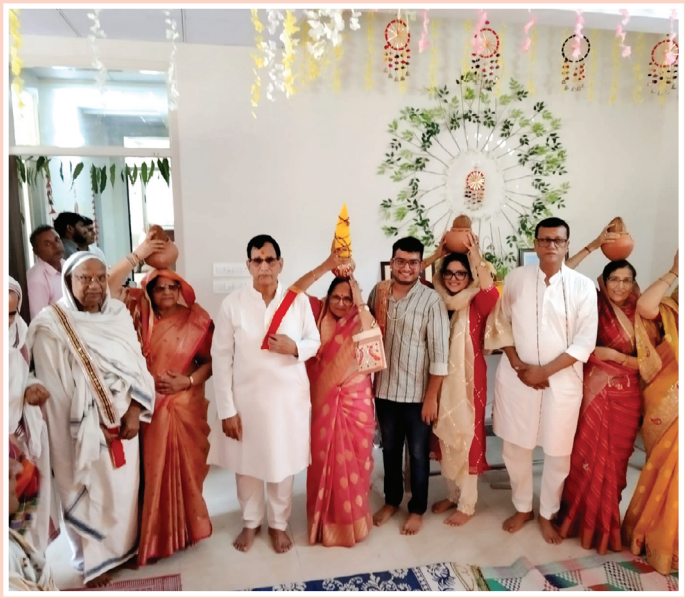

श्री दिगम्बर जैन श्रमण संस्कृति संस्थान, सांगानेर मे नवीन भवन का लोकार्पण

जयपुर. शाबाश इंडिया

पूज्य आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के आशीर्वाद एवं पूज्य मुनिश्री सुधासागर जी महाराज की प्रेरणा से संचालित श्री दिगम्बर जैन श्रमण संस्कृति संस्थान, सांगानेर में सकल दिगम्बर जैन समाज गांधीधाम (गुजरात) के सहयोग से निर्मित नवीन भवन का उद्घाटन समारोह दिनांक 1 सितम्बर 2024 संस्थान के स्थापना दिवस के दिन किया गया। प्रातः 7:00 बजे से विधि-विधान पूर्वक कार्यक्रम का शुभारम्भ हुआ, कार्यक्रम में संस्थान प्रबन्धकारिणी कमेटी के पदाधिकारीगण, सन्त श्री सुधासागर आवासीय कन्या

महाविद्यालय की पदाधिकारी सदस्याओं के साथ संस्थान के पूर्व प्राचार्य, वर्तमान प्राचार्य एवं समस्त कार्मिक जनों के द्वारा विधिवत पूजन अर्चन किया गया। गांधीधाम (गुजरात) समाज के अध्यक्ष शीलचन्द गंगवाल परिवार के सुपुत्र विकास सुषमा गंगवाल, अविरल मीनल गंगवाल, एवं आदीश गंगवाल ने प्रतिनिधि के रूप में पधारकर नवीन भवन का उद्घाटन किया। कार्यक्रम में गंगवाल परिवार की बहू सुषमा गंगवाल एवं गुवाहाटी आसाम से पधारी संगीता गोधा गुवाहाटी ने बालिका संस्थान में ट्रस्टी के रूप में अपना नाम अंकित कराया। कार्यक्रम में संस्थान के अध्यक्ष, शांति कुमार जैन, कार्याध्यक्ष, प्रमोद जैन पहाड़िया, मंत्री सुरेश कुमार कासलीवाल, उपाध्यक्ष उत्तम कुमार पाण्ड्या, उत्तम चन्द पाटनी, महावीर प्रसाद बज, संयुक्त मंत्री दर्शन कुमार जैन बाकलीवाल, सदस्य संजय कुमार पाण्ड्या, शैलेन्द्र कुमार गोधा, बालिका संस्थान की अधिष्ठात्री शीला जैन डोड्या, निदेशिका डॉ. वंदना जैन, उपाध्यक्षा नीना पहाड़िया, संस्थान के पूर्व प्राचार्य अरूण कुमार जैन, वर्तमान प्राचार्य कुमार जैन, उप-प्राचार्य डॉ. किरण प्रकाश जैन एवं समस्त शिक्षक, व्यवस्थापक, अधीक्षक तथा समस्त छात्रावासीय छात्र उपस्थित हुये। कार्यक्रम में पूजन विधान की समस्त क्रियाएँ संस्थान के विधानाचार्य महोदय द्वारा संपन्न करवायी गयीं ।